CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-325
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया
अपने रास्ते खुद चुनिए।
क्योकि आपको आपसे बेहतर
कोई नहीं जानता।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शनिवार 01 मार्च 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

40 साल बाद आया खास दिन... पीथमपुर में यूका का जहरीला कचरा जलना शुरू, चूना मिलाकर भस्मक में डाले गए 9-9 किलो के पैकेट, प्रदूषण को लेकर सभी रिपोर्ट आईं नॉर्मल, कलेक्टर बोले- वीडियो बनाकर जनता को दिखाएंगे जलता हुआ कचरा ताकि संदेह न रहे

खत्म हुआ जहरीले कचरे का खौफ!

धार/इंदौर। सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक से इनकार के बाद पीथमपुर में शुक्रवार दोपहर बाद यूनियन कार्बाइड का कचरा जलना शुरू हो गया। दो भस्मकों में 800 और 1200 डिग्री तापमान रखा गया और उसमें कचरा जलाया गया। उसमें से जो राख बचेगी उससे पीथमपुर के ही रामकी प्लांट में लैंडफिल किया जाएगा। 30 टन के ट्रायल रन की रिपोर्ट हाईकोर्ट में प्रस्तुत की जाएगी। संभागायुक्त दीपक सिंह ने कहा कि कचरा जलाने के दौरान परिणामों का आंकलन किया गया। पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के तमाम अधिकारियों की मॉनिटरिंग के दौरान कचरा जलाया जा रहा है।

संभागायुक्त दीपक सिंह के मुताबिक यूनियन कार्बाइड का जो कचरा घातक और नुकसानदायक बताया जा रहा था वैसा जलने पर कुछ नहीं पाया गया। कचरा जलने की सारी रिपोर्ट नॉर्मल आई हैं। इसलिए कचरे को जलाने से कोई दिक्कत नहीं है। 3 दिन में पहले चरण में 10 टन कचरा जलाया जाएगा। उसके बाद दूसरे चरण और तीसरे चरण में शेष कचरा जलाया जाएगा।

कचरा जलाने की प्रक्रिया शुक्रवार सुबह दस बजे शुरू हुई। कचरा रामकी एनवायरी फैक्टरी के इंसीनरेटर में ले जाया गया। पहले इंसीनरेटर को 850 डिग्री तापमान तक गर्म किया गया। इसमें करीब 5 घंटे का समय लगा। प्रति घंटे 600 लीटर डीजल की खपत हुई। इंसीनरेटर के तैयार होने के बाद कचरा मिक्स कर इसमें डाला गया। सभी कर्मचारी और मजदूर विशेष सुरक्षा उपकरणों के साथ कचरा जलाने का काम कर रहे हैं। कचरे के साथ चूने को मिक्स कर 9-9 किलो के पैकेट बनाए गए हैं। चूने के जरिये जहर के असर को कम करने का प्रयास किया जा रहा है। सुबह से भस्मक को वार्म अप किया गया। 900 डिग्री से ज्यादा तापमान होने के बाद कचरा भस्मक में डाला गया। मप्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल के रीजनल अधिकारी श्रीनिवास द्विवेदी ने बताया कि कचरा जलाने से पहले 12 कंटेनरों में से 5 से अलग-अलग सैंपल लिए गए। 10 टन मात्रा जलाने में करीब तीन दिन लगेंगे।

चिमनी से धुआं निकलता नहीं दिखा

जिस प्लांट में यूनियन कार्बाइड का कचरा जलाया जा रहा है, वहां की चिमनी से धुआं निकलता नहीं दिख रहा है। राख, गैस, सॉलिड पार्टिकल को उचित तरीके से नष्ट किया जाएगा। मध्यप्रदेश प्रदूषण विभाग के रीजनल अधिकारी श्रीनिवास द्विवेदी ने बताया कि कचरे से निकलने वाली राख, गैस, सॉलिड पार्टिकल और पानी को उचित तरीके से नष्ट किया जाएगा। यह पूरा काम केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों की निगरानी में होगा। धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने कहा कि जनता को वीडियो के माध्यम से कचरा जलाने की पूरी प्रक्रिया दिखाई जाएगी ताकि कोई संदेह न रहे। उन्होंने पीथमपुर के नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने और प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।

निकल रही गैसों की हो रही मॉनिटरिंग पीथमपुर स्थित रामकी संयंत्र में मौजूद यूनियन कार्बाइड के कचरे को अनलोड किए जाने के बाद मिक्सिंग और जलाने की प्रक्रिया की पूरी मॉनिटरिंग केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अलावा मध्यप्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों द्वारा की जा रही है। ये सभी अधिकारी मौके पर संयंत्र में मौजूद हैं। संयंत्र के इंसीनरेटर में 900 डिग्री सेल्सियस के तापमान में जलाया जा रहा है। इसके बाद अन्य तापमान पर भी जलाया जा रहा है। इस दौरान जो भी गैसें निकल रही हैं, उनकी मॉनिटरिंग की जा रही है। इसके अलावा साथ-साथ रिपोर्ट तैयार की जा रही है जो हाईकोर्ट में प्रस्तुत की जाएगी। प्रदूषण बोर्ड के रीजनल अधिकारी श्रीनिवास द्विवेदी ने बताया कि कचरे से निकलने वाली राख, गैस, सॉलिड पार्टिकल और पानी को वैज्ञानिक तरीके से नष्ट किया जाएगा।

जिला प्रशासन और राज्य शासन ने संतोष जताया भोपाल के यूनियन कार्बाइड से 337 मीट्रिक टन कचरे को हाईकोर्ट के निर्देश पर जलने के लिए कंटेनरों के माध्यम से 1 जनवरी को पीथमपुर में मौजूद रामकी एनवायरो के संयंत्र में निष्पादन के लिए भेजा गया था। हालांकि तब से ही स्थानीय लोगों के विरोध और कई स्थानीय सामाजिक संस्थाओं ने कचरा जलाने पर आपत्ति दर्ज कराई थी। इसके अलावा कुछ लोगों द्वारा आत्मदाह के प्रयास के बाद इसे अनलोड नहीं किया जा सका था। इस मामले में राज्य शासन ने हाईकोर्ट से समय मांगा था हालांकि इसके बाद हाईकोर्ट ने 27 फरवरी से 10 मार्च तक 3 चरणों में 10-10 मीट्रिक टन कचरा जलाने के आदेश दिए थे। इस आदेश के बाद इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में भी अपील की गई थी। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में खुद कोई फैसला देने की बजाय हाईकोर्ट जबलपुर के फैसले को उचित ठहराने के बाद कचरे के निष्पादन का रास्ता साफ कर दिया था। अब जबकि कचरे की तमाम रिपोर्ट नॉर्मल आ रही है तो धार जिला प्रशासन और राज्य शासन ने इस पर संतोष व्यक्त किया है।

आगे की योजना पहले चरण में 10 टन कचरा जलाने में 72 घंटे का समय लगेगा। इसके बाद अगली खेप की योजना बनाई जाएगी। प्रशासन ने दावा किया है कि पूरी प्रक्रिया निश्चित प्रोटोकॉल के तहत हो रही है। कलेक्टर ने पीथमपुर की जनता का धन्यवाद किया और भरोसा दिलाया कि किसी भी तरह की अनियमितता नहीं होगी।

सभी रास्तों की जबरदस्त नाकेबंदी रामकी कंपनी की जिस एनवायरी फैक्टरी में कचरा जल रहा है, वहां इंदौर ग्रामीण और धार के करीब 24 थानों के 500 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम भी दो विशेषज्ञ डॉक्टरों के साथ कंपनी परिसर के बाहर तैनात की गई। फैक्टरी परिसर के अंदर स्पेशल आर्म फोर्स के 130 जवान तैनात किए गए हैं। परिसर के बाहर डीएसपी रैंक व टीआई व अन्य अधिकारी भी हैं। आसपास के सभी रास्तों की नाकेबंदी की गई है। बिना पूछताछ किसी को भी कंपनी परिसर के पास जाने की इजाजत नहीं है। करीब 650 जवान शहर के अलग-अलग चौराहों, कॉलोनियों और तारपुरा गांव में मौजूद हैं। 10 से ज्यादा गाड़ियां शहर भर में गश्त कर रही हैं। वहीं दो एम्बुलेंस भी गांव में घूम रही हैं। तारपुरा गांव के लोग घरों में बंद रामकी एनवायरो फैक्ट्री से सटे तारपुरा गांव में भी पुलिस के जवान तैनात हैं। स्थानीय ग्रामीण घरों में बंद हैं। सड़कों पर सन्नाटा है। लोगों ने बताया है कि कुछ किरायेदार डर के कारण मकान खाली कर दूसरी जगह चले गए हैं।

पीथमपुर बचाओ समिति पुनर्विचार याचिका दायर करेगी पीथमपुर बचाओ समिति के अध्यक्ष हेमंत हिरोले ने कहा कि हाई कोर्ट में 11 झूठे हलफनामे पेश कर कचरे के ट्रायल रन की अनुमति ली गई है। हम जल्द ही इस बारे में एक मीटिंग करेंगे। हाईकोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर कर प्रदूषण बोर्ड की रिपोर्ट भी पेश करेंगे। इस कचरे के निष्पादन पर रोक लगाने की मांग की जाएगी।

मुख्यमंत्री बोले- डराने का काम कर रही कांग्रेस कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि यूनियन कार्बाइड के कचरे को लेकर सरकार कोर्ट का बहाना बना रही है। इसके पीछे उनके नेताओं के आर्थिक हित छिपे थे। मैं स्थानीय नेताओं और प्रशासन को चुनौती देता हूं कि रामकी कंपनी के आस-पास के 10 किलोमीटर के भू-जल की जांच की जाए अगर उसमें कैंसर के तत्व नहीं मिलेंगे तो मैं सार्वजनिक माफी मांगूगा। इस पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि भोपाल में 10 लाख से ज्यादा लोग यूनियन कार्बाइड के कारण मारे गए थे। इसमें कांग्रेस के तत्कालीन प्रशासन की लापरवाही थी। उन्होंने एक तरफ भोपाल को मरने के लिए छोड़ दिया था, दूसरी तरफ अब डराने का काम कर रहे हैं। माफी तो उन्हें मांगनी ही चाहिए।

किसी के भी स्वास्थ्य पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ेगा पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के अधिकारियों की निगरानी में पूरी निष्पादन प्रक्रिया को सुरक्षित तरीके से पूर्ण किया जा रहा है। यूनियन कार्बाइड के जलाए जा रहे कचरे से स्थानीय लोग और आसपास में किसी के भी स्वास्थ्य पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ेगा। कचरे को लेकर किसी भी अफवाह पर ध्यान नहीं देना है। यदि किसी को कोई शिकायत है तो सीधे तौर पर जिला प्रशासन से संपर्क किया जा सकता है। बाकी कचरे से प्रदूषण जैसी स्थिति का फिलहाल कोई प्रश्न नहीं है।

-दीपक सिंह, संभागायुक्त, इंदौर

प्रोटोकॉल से चल रहा काम हाईकोर्ट के आदेशानुसार संबंधित एजेंसी प्रोटोकॉल के अनुसार काम कर रही हैं। लॉ एंड ऑर्डर के लिए इलाके में व्यवस्थाएं कर दी गई हैं। लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और शांति बनाए रखने की अपील की जा रही है। मैं पीथमपुर की जनता को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने धैर्य बनाकर रखा। वही 10 टन कचरे की प्रक्रिया 72 घंटे तक चलेगी।

-प्रियंक मिश्रा कलेक्टर धार

जबलपुर में घोटाला

उपार्जन केंद्रों में 2268 मीट्रिक टन धान कम मिली, 22 लोगों पर केस

जबलपुर। जबलपुर में पांच धान उपार्जन केंद्रों में लगभग 2268 मीट्रिक टन धान कम पाई गई। इसका मूल्य लगभग 521 लाख रुपए हैं। प्रशासन के निर्देश पर धान उपार्जन करने वाली पांचों सोसाइटी के 22 व्यक्तियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। इसके बाद हड़कंप मच गया है। जबलपुर कलेक्टर दीपक सक्सेना ने धान उपार्जन सोसाइटी के द्वारा खरीदी गई धान और भंडारित धान की जांच के निर्देश दिए थे। जांच के दौरान पांच उपार्जन सोसाइटी में खरीदी से लगभग 2268 मीट्रिक टन धान कम पाई गई थी। कलेक्टर के आदेश पर इन उपार्जन सोसाइटी के खिलाफ पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई गई है। एएसपी सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि जांच में उपार्जन केंद्र नर्मदा एग्रो कालाडूमर तहसील पनागर में 7194.79 क्विंटल धान कम पाई गई, जिसका मूल्य लगभग एक करोड़ 65 लाख 48 हजार रुपए के लगभग है। पुलिस ने समिति प्रबंधक अजय दत्त मिश्रा, केंद्र प्रभारी रविशंकर पटेल, कम्प्यूटर ऑपरेटर विनय पटेल, सर्वेयर महेंद्र पटेल और मुकदमा राहुल पटेल के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। मां रेवा वेयर हाउस मझौली में 6068.59 क्विंटल धान कम पाई गयी। इसका मूल्य लगभग 1 करोड़ 40 लाख रुपए हैं। पुलिस ने वेयर हाउस संचालक नीतेश पटेल, समिति प्रबंधक विजय राज खरीदी केन्द्र प्रभारी दिनेश रावत, कम्प्यूटर ऑपरेटर श्रीराम राय और ग्राउंड सर्वेयर मनीष सिंह के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। जय भवानी वेयर हाउस मझौली में जांच के दौरान 1134 क्विंटल धान कम पाई गयी। जिसका मूल्य लगभग 26 लाख रुपए हैं। पुलिस ने समिति प्रबंधक विजय राय, खरीदी केंद्र प्रभारी राजकुमार राजपूत, कम्प्यूटर ऑपरेटर सत्यपाल राजपूत, केंद्र प्रभारी अशोक अग्रवाल और सर्वेयर अमित राय के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। गुरुजी वेयर हाउस पाटन में जांच के दौरान 5618.60 क्विंटल धान कम पाई गयी। जिसका मूल्य लगभग 1 करोड़ 29 लाख रुपए है। पुलिस ने समिति प्रबंधक व केन्द्र प्रभारी सुनील साहू,कम्प्यूटर ऑपरेटर सुभाष विश्वकर्मा तथा सर्वेयर प्रशांत कोरी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। एग्रो वेयरहाउस सिमरिया पनागर में जांच के दौरान 2672.25 क्विंटल धान कम पाई गयी। जिसका मूल्य लगभग 61 लाख 50 हजार रुपए हैं। पुलिस ने समिति प्रबंधक अजय दत्त मिश्रा,खरीदी केन्द्र प्रभारी मोहनी पाठक,कम्प्यूटर ऑपरेटर विश्वास खरे और ग्राउंड सर्वेयर विकास खरे के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया गया है।

कोर्ट का फैसला

फर्जी डिग्री से डॉक्टर का पद पाने वालों पर केस दर्ज करने का आदेश

जबलपुर। फर्जी डिग्री के आधार पर डॉक्टर पद पर नौकरी पाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करने के आदेश जारी किए गए हैं। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी पलक श्रीवास्तव ने आवेदक को निर्देश दिया है कि सभी दस्तावेजों के साथ अनावेदक कथित डॉक्टर के खिलाफ सिविल लाइन थाने में एफआईआर दर्ज कराएं। न्यायालय ने सिविल लाइन पुलिस को निर्देशित किया है कि फर्जीवाड़ा, जालसाजी सहित मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम एवं अन्य धाराओं के तहत 5 अप्रैल तक जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करें।

जबलपुर निवासी शैलेंद्र बारी द्वारा दायर परिवाद में कहा गया कि अनावेदक शुभम अवस्थी ने फर्जी डिग्री के आधार पर शासकीय विक्टोरिया अस्पताल में डॉक्टर पद की नियुक्ति प्राप्त की। नौकरी पाने के लिए अनावेदक ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर से आयुर्वेद स्नातक की कूटरचित डिग्री तैयार कर पेश की, जिसमें खुद को शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय जबलपुर से स्नातक होना बताया। इसके अलावा, मध्यप्रदेश आयुर्वेद तथा यूनानी चिकित्सा पद्धति एवं प्राकृतिक चिकित्सा बोर्ड, भोपाल में ऑफलाइन पंजीयन क्रमांक 56970 दर्शाया। वास्तव में यह पंजीयन क्रमांक डॉक्टर इरम जहां मंसूरी के नाम पर रजिस्टर में दर्ज है। फर्जी तरीके से नौकरी प्राप्त कर कथित डॉक्टर ने एक साल तक वेतन प्राप्त किया और इस दौरान मरीजों की जान से खिलवाड़ करता रहा। इसके अलावा, अनावेदक ने अल्टरनेटिव सिस्टम ऑफ मेडिसिन के स्नातक और स्नातकोत्तर की भी फर्जी डिग्री तैयार की। वह अपने नाम के आगे डॉक्टर लिखता रहा, जो कानूनन गलत है। इस संबंध में पुलिस थाने और अन्य संबंधित अधिकारियों से शिकायत की गई थी, लेकिन डेढ़ साल तक कोई कार्रवाई नहीं होने पर परिवाद दायर किया गया। परिवाद की सुनवाई करते हुए जेएमएफसी कोर्ट ने सिविल लाइन थाना प्रभारी को उक्त आदेश जारी किए हैं।

बदलता मौसम...

मप्र में मार्च के पहले सप्ताह में बादल छाने और बारिश होने के आसार

भोपाल। मार्च के पहले सप्ताह में मध्य् प्रदेश के मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। इस दौरान नए वेदर सिस्टम के सक्रिय होने से फिर बादल बारिश की स्थिति बनेगी। एमपी मौसम विभाग के मुताबिक, 2 मार्च से पश्चिम-उत्तर भारत में एक नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होने जा रहा है, जिसके असर प्रदेश के मौसम में भी बड़ा देखने को मिलेगा। 4 मार्च से इंदौर, ग्वालियर, चंबल हिस्से में कहीं-कहीं बादल छाने के साथ बारिश की संभावना जताई गई है। खास कर मंदसौर, रतलाम और नीमच जिलों में बारिश की संभावना है। ग्वालियर चंबल और अन्य इलाकों में भी बूंदाबांदी हो सकती है। फरवरी में मौसम का मिला-जुला असर रहा। शुरुआती दिनों में ही तेज ठंड पड़ी, लेकिन दूसरे सप्ताह से ठंड जैसी गायब सी हो गई। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन,

जबलपुर समेत कई शहरों में रात का पारा 10 डिग्री से अधिक ही रहा। वहीं, दिन में 34 डिग्री तक पहुंच चुका है। फरवरी के आखिरी दिन शुक्रवार को भी मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहा, लेकिन मार्च के पहले सप्ताह में मौसम में फिर से बदलाव देखने को मिल सकता है। उत्तर-पश्चिमी भारत में सक्रिय होने वाले वेस्टर्न डिस्टरबेंस का असर प्रदेश में 2 दिन बाद यानी, 4 मार्च से देखने को मिल सकता है। इसके अलावा एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम भी एक्टिव है। इस कारण भोपाल समेत कई शहरों में बादल छाए रहे। शुक्रवार दोपहर बाद इंदौर में भी बादल छाए।

वर्तमान में पाकिस्तान के पास एक पश्चिमी विक्षोभ द्रोणिका के रूप में बना हुआ है। उत्तर-पश्चिमी राजस्थान और उसके आसपास एक प्रेरित चक्रवात बन गया है। इस प्रेरित चक्रवात से लेकर अरब सागर तक एक द्रोणिका बनी हुई है। अलग-अलग स्थानों पर बनी इन मौसम प्रणालियों के प्रभाव से हवाओं का रुख दक्षिण-पश्चिमी एवं दक्षिण-पूर्वी हो गया है, जिससे पारा चढ़ेगा। वही प्रेरित चक्रवात से लेकर अरब सागर तक द्रोणिका बनी रहने से अरब सागर से कुछ नमी भी आ रही है जिससे कहीं-कहीं आंशिक बादल छा रहे हैं। मौसम का इस तरह मिजाज अभी दो-तीन दिन तक बना रह सकता है लेकिन 2 मार्च को एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर भारत क्षेत्र में पहुंचने वाला है, जिसके असर से फिर बादल बारिश की स्थिति बनेगी।

निगम अधिकारी के घर ईओडब्ल्य का छापा

कई फ्लैट, प्लॉट और बंगले के दस्तावेज मिले

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर नगर निगम के अधिकारी राजेश परमार के घर और कार्यालय पर शुक्रवार सुबह आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने छापा मारा। अब तक जांच के दौरान टीम को एक बंगला, चार फ्लैट और दो प्लॉटके दस्तावेज मिले हैं। कार्रवाई अभी जारी है और संपत्ति से जुड़े अन्य दस्तावेजों की जांच की जा रही है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, छापे के दौरान ईओडब्ल्यू की टीम राजेश परमार के घर का सर्वे कर रही है। यह कार्रवाई इंदौर के बिजलपुर स्थित उनकी आवासीय कॉलोनी में की जा रही है। टीम ने स्थानीय पुलिस की मदद से घर की तलाशी

ली। इसके अलावा, ईओडब्ल्यू की एक टीम उनके ऑफिस भी गई, लेकिन वह बंद मिला। ईओडब्ल्यू डीएसपी मधुर रीना गौड़ ने बताया कि राजेश परमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की शिकायत दर्ज होने के बाद यह कार्रवाई की गई है। एक टीम परमार के निवास स्थान पर छानबीन कर रही है, जबकि दूसरी टीम बिचौली मदार्ना स्थित श्रीजी वैली में जांच कर रही है। अब तक कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज मिले हैं, लेकिन जांच पूरी होने के बाद ही संपत्ति की सटीक जानकारी सामने आएगी। अधिकारियों का मानना है कि यह संपत्ति करोड़ों रुपये की हो सकती है।

बेलदार के पद पर लगी थी नौकरी

राजेश परमार को हाल ही में नगर निगम आयुक्त ने अनियमितताओं के आरोप में निलंबित कर दिया था। परमार की शुरूआत निगम में बेलदार के रूप में हुई थी, लेकिन बाद में प्रमोशन पाकर वह सहायक राजस्व अधिकारी बन गया। नौकरी के दौरान उसने अपने और परिवार के नाम पर कई संपत्तियां खरीदीं, जिनकी अब जांच की जा रही है। परमार के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत पिछले साल अक्टूबर में दर्ज कराई गई थी। वार्ड 39 की कांग्रेस पार्षद रुबिना खान ने 20 अक्टूबर 2024 को नगर निगम आयुक्त से शिकायत की थी कि परमार दरोगा पद पर था, लेकिन प्रभारी सहायक राजस्व अधिकारी बनकर कार्य कर रहा था। रुबिना ने आरोप लगाया कि जोन-19 में बेटरमेंट शुल्क की कम वसूली करके उसने भ्रष्टाचार किया।

बिना अनुमति विदेश यात्रा के भी आरोप

इसके अलावा, परमार पर बिना अनुमति विदेश यात्रा करने का भी आरोप है। पार्षद ने महापौर, आयुक्त, राजस्व समिति प्रभारी सहित अन्य अधिकारियों को प्रमाण सहित शिकायत दी थी और मांग की थी कि परमार को तत्काल बर्खास्त कर उसके कार्यकाल की जांच की जाए। फिलहाल, ईओडब्ल्यू की टीम दस्तावेजों की छानबीन कर रही है। इस मामले में जल्द ही और खुलासे हो सकते हैं।

किसानों का आंदोलन 24 घंटे में हो गया खत्म

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। आउटर रिंग रोड के विरोध और भूमि अधिग्रहण सहित अपनी कई मांगों को लेकर इंदौर में गुरुवार से शुरू हुआ भारतीय किसान संघ का किसान आंदोलन महज 24 घंटों में स्थगित हो गया। धरना शुरू होते ही प्रशासन और किसान नेताओं के बीच कई दौर की चचाएं हुईं। देर रात किसानों ने दाल-बाटी बनाकर पार्टी भी मनाई, लेकिन इसके बाद प्रशासन के साथ हुए समझौते के तहत आंदोलन को रोकने का फैसला लिया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ बैठक के आश्वासन, ज्वाइंट सर्वे को तत्काल बंद करने सहित अन्य शर्तों पर किसान सहमत हो गए और अनिश्चितकालीन आंदोलन को स्थगित कर दिया गया। गुरुवार को भारतीय किसान संघ के नेतृत्व में किसानों ने भूमि अधिग्रहण के खिलाफ प्रदर्शन शुरू किया था। किसानों की मांगों को देखते हुए प्रशासन की ओर से एडीएम रोशन राय ने भारतीय किसान संघ के संगठन मंत्री अतुल माहेश्वरी के साथ बातचीत की। इस दौरान

भारतीय किसान संघ के संभाग अध्यक्ष कृष्णपाल सिंह राठौर, जिला अध्यक्ष राजेंद्र पाटीदार, जिला मंत्री महेश राठौर, जिला प्रचार प्रमुख राहुल मालवीया, महानगर अध्यक्ष दिलीप मुकाती, और महानगर मंत्री वरदराज राव ने प्रशासन के समक्ष अपनी मांगें रखीं। बातचीत के दौरान कई तर्क-वितर्क हुए, लेकिन अंततः सहमति बन गई। इस आंदोलन को स्थगित करने से पहले किसानों और प्रशासन के बीच लंबी बातचीत चली। रात को जब किसानों ने भोजन बनाकर पार्टी मनाई, तब भी यह साफ नहीं था कि आंदोलन कब तक चलेगा। हालांकि, जब प्रशासन ने लिखित में सभी प्रमुख मांगों को मानने का भरोसा दिया, तो किसानों ने आंदोलन को स्थगित करने का फैसला लिया। भारतीय किसान संघ के नेता इस मुद्दे पर सतर्क बने हुए हैं और मुख्यमंत्री के साथ बैठक के बाद मुआवजे और अन्य मुद्दों पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। प्रशासन और किसानों के बीच बनी इस सहमति से इंदौर में चल रहा यह बड़ा किसान आंदोलन 24 घंटे के भीतर खत्म हो गया।

आज से दो रुपए महंगा होगा दूध, 62 रुपये प्रति लीटर में मिलेगा अब

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। हर साल एक मार्च से इंदौर में नए दूध के भाव खुलते हैं और उसके हिसाब से बंदी वाले दूध के रेट तय होते हैं। इंदौर दूध विक्रेता संघ ने इस बार दो रुपये प्रति लीटर दूध की कीमत बढ़ाने की घोषणा की है। नए भाव एक मार्च से लागू हो जाएंगे। अभी तक दूध 60 रुपये प्रति लीटर में मिल रहा था। अब 62 रुपये प्रति लीटर के हिसाब से मिलेगा। दूध के भाव तय करने के लिए इंदौर दूध विक्रेता संघ की बैठक हुई थी। संघ के अध्यक्ष भारत मथुरावाला ने बताया कि पशु पालन के लिए पशु आहार, चापड़ और भूसे की कीमतों में वृद्धि हो चुकी है। वहीं दुधारू पशुओं की कीमतें भी काफी हैं। दूध उत्पादक किसानों को मुनाफा ज्यादा नहीं हो रहा है और आर्थिक बोझ भी बढ़ रहा है।

मथुरावाला ने बताया कि किसानों को दूध के दाम में वृद्धि का लाभ मिलेगा। किसानों से विक्रेता 8.60 रुपये प्रति फेट के हिसाब से दूध खरीदेंगे। बता दें, किसानों से विक्रेता 48 से 52 रुपये प्रति लीटर के हिसाब से दूध खरीदते हैं और परिवहन व वितरण खर्च जोड़कर दूध खेरची ग्राहकों को बेचा जाता है। दूध उत्पादक किसानों का कहना है कि दूध की कीमतों में बढ़ोतरी का फायदा किसानों को ज्यादा नहीं मिलता। पशु आहार के बाद पशु की देखभाल करने के लिए लोग भी रखे जाते हैं। जितना खर्च किया जाता है, उसकी तुलना में फायदा ज्यादा नहीं होता।

अचानक तबीयत बिगड़ने से युवती की संदिग्ध हालात में मौत

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के एरोड्रम इलाके में रहने वाली 23 वर्षीय युवती की अचानक तबीयत बिगड़ने से संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजन उसे तत्काल अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने कुछ देर बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। एरोड्रम पुलिस के मुताबिक, मृतका की पहचान निशा (23) पुत्री मेवालाल मौर्य, निवासी आम कुंज, के रूप में हुई है। देर रात करीब 2 बजे उसके पड़ोसी सचिन और उनके पिता उसे एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे थे। डॉक्टरों ने करीब आधे घंटे तक उपचार करने की कोशिश की, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका।

मृतका के भाई भरत ने बताया कि

रात में अचानक निशा को पेट में तेज दर्द हुआ। जब उसकी हालत बिगड़ने लगी, तो उसने पड़ोसी सचिन को कॉल करके तुरंत अस्पताल ले चलने के लिए कहा। निशा ने जाते समय कहा, मेरे पास समय कम है। इस पर सचिन अपने पिता को साथ लेकर उसे एक्टिवा पर अस्पताल ले गया।

परिजनों ने बताया कि कुछ समय पहले निशा ने अपनी पढ़ाई छोड़ दी थी। उसके भाई भरत साउंड सिस्टम का काम करते हैं, जबकि पिता नगर निगम में माली के पद से सेवानिवृत्त हैं। फिलहाल, युवती की मौत की असली वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हर एंगल से जांच की जा रही है। डॉक्टरों का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चलेगा।

16वें वित्त आयोग का इंदौर दौरा 7 मार्च को

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। 16वें वित्त आयोग का इंदौर दौरा 7 मार्च को होगा। आयोग के दल में अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया सहित आठ सदस्य रहेंगे। आयोग के सदस्य इंदौर में देवगुराड़िया स्थित बायोगैस प्लांट का भ्रमण करेंगे और फिर पीथमपुर में एसईजेड का अवलोकन करेंगे। इसके बाद आयोग ओंकारेश्वर का दौरा करेगा। इसे लेकर कमिश्नर दीपक सिंह ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों की समीक्षा की। वीडियो

कॉन्फ्रेंसिंग में कलेक्टर इंदौर आशीष सिंह, आईजी अनुराग, डीआईजी ग्रामीण निमिष अग्रवाल, एसपी (ग्रामीण) हितिका वासल, निगम कमिश्नर शिवम वर्मा, धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, खंडवा कलेक्टर ऋषभ गुप्ता सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। कमिश्नर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में भ्रमण की व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। वित्त आयोग के प्रतिनिधि मंडल में अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया, सदस्य अजय नारायण झा, एनी जॉर्ज मैथ्यू, डॉ. मनोज पांडा, डॉ. सौम्याकांति घोष, ऋत्विक पांडे, केके मिश्रा और कुमार विवेक शामिल हैं।

शादी के लिए कुंडली मिलाई, फिर लड़की से रेप करके हो गया फरार

सिटी चीफ इंदौर।

छत्रीपुरा पुलिस ने 27 वर्षीय युवती की शिकायत पर आरोपित प्रियांशु बड़ौदे पर दुष्कर्म का केस दर्ज किया है। पीड़िता रानीपुरा स्थित जयंत बड़ौदे की दुकान पर नौकरी करती थी। संचालक के बेटे प्रियांशु से दोस्ती हो गई। उसने शादी का बोल कुंडली भी मिलाई। फिर संबंध बनाए व फरार हो गया।

पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। युवती के अनुसार प्रियांशु ने उसे अपने प्रेम जाल में फंसाया और शादी करने का झूठा वादा किया। यहां तक कि उसकी जन्म कुंडली लेकर मिलान भी करवा लिया।

कुंडली मिलाने से लगा, सचमुच शादी करना चाहता है

प्रियांशु द्वारा जन्म कुंडली

मिलान करवाए जाने से युवती को लगा कि वो सचमुच उससे शादी करना चाहता है। इसके बाद उसने इसी झांसे में उसके साथ दुष्कर्म किया और फिर जब युवती ने शादी की बात की तो फरार हो गया।

युवती ने यह बात अपने परिजनों को बताई और इसके बाद छत्रीपुरा थाने में प्रियांशु के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज करवाया।

ईएसबी की परीक्षाओं के रिजल्ट नार्मलाइजेशन के बदले एनईपी फार्मूले से बनेंगे

सिटी चीफ इंदौर।

मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) इस साल से परीक्षा संचालन से लेकर परिणाम तैयार करने में नई तैयारी कर रहा है। अभी तक ईएसबी की कई परीक्षाओं के परिणाम में यह मामले सामने आते रहे हैं कि अभ्यर्थी को पूर्णांक से अधिक अंक मिल गए।

इसे लेकर भर्ती परीक्षाओं के परिणाम तैयार करने में अब नार्मलाइजेशन फार्मूले में बदलाव करते हुए नार्मलाइज्ड इक्वी-पर्सेंटाइल (एनईपी) स्केलिंग टेक्निक अपनाई जाएगी।

नई प्रकिया तय की

इस संबंध में ईएसबी ने दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। इस पद्धति का उपयोग इस साल से सभी परीक्षाओं में किया जाएगा। इसके लिए ईएसबी ने चार अगस्त 2016 के आदेश को निरस्त करते हुए नई प्रक्रिया तय की है।

अब जिन परीक्षाओं का आयोजन एक से अधिक पारी में होगा, उनके परिणाम एनईपी पद्धति के आधार पर तैयार होंगे। इसमें एक पारी में एक से अधिक विषय के प्रश्नपत्र देने वाले आवेदकों और बहु चरणीय परीक्षाओं के परिणाम इसी पद्धति से तैयार किए जाएंगे।

एक चरणीय परीक्षा के परिणाम के लिए प्रत्येक पारी में उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या और उनके स्कोर के आधार पर पर्सेंटाइल निकाला जाएगा। फिर सभी पारी के पर्सेंटाइल स्कोर को मिलाकर अंतिम प्रावीण्य सूची तैयार होगी।

वहीं बहु चरणीय परीक्षा के पहले चरण के पर्सेंटाइल स्कोर के आधार पर वेल्यू निकाली जाएगी। फिर टी-स्कोर की गणना होगी, जिसमें पेपर के अधिकतम अंकों का आधा और मानक को ध्यान में रखा जाएगा।

नया फार्मूला तैयार

अभी नार्मलाइजेशन फार्मूले के कारण ऐसे कई प्रकरण देखने को मिले, जिनमें परीक्षार्थी ने पूर्णांक से ज्यादा स्कोर प्राप्त किया। इस कारण नया फार्मूला एनईपी तैयार किया गया है। - साकेत मालवीय, निदेशक, ईएसबी, भोपाल।

भोपाल के श्रद्धालुओं की कार ट्रक से टकराई, महिला सहित चार की मौत

सिटी चीफ इंदौर।
भोपाल/ महोबा। यूपी के महोबा में प्रयागराज से भोपाल जा रही श्रद्धालुओं से भरी एक कार भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गई। महोबा के श्रीनगर कोतवाली क्षेत्र में कानपुर-सागर हाइवे पर बरा नाला के पास एक तेज रफ्तार ऑल्टो कार और ट्रक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। इस हादसे में एक महिला सहित चार लोगों की मौत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑल्टो कार ट्रक के अगले हिस्से में घुस गई, जिससे कार में सवार तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक महिला ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। ये सभी प्रयागराज से वापस अपने घर मध्यप्रदेश के भोपाल लौट रहे थे।
हादसा महोबा के श्रीनगर कोतवाली क्षेत्र के कानपुर-सागर राष्ट्रीय राजमार्ग 86 पर हुआ। तेज रफ्तार कार (यूपी9 सीक्यू 3153) सामने से आ रहे ट्रक (यूपी21 बीएन 2167) से सीधी टकरा गई। कार चालक कुछ समझ पाता, उससे पहले ही कार ट्रक के अगले हिस्से के नीचे घुस गई।

दर्दनाक हादसा देखकर स्थानीय लोग इकट्ठा हो गए और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों की मदद और जेसीबी के जरिए करीब 1 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे सभी लोगों को बाहर निकाला और एंबुलेंस द्वारा जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टर ने तीन युवकों को मृत घोषित कर दिया, जबकि कार में सवार महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई।

भोपाल के इन लोगों की हुई मौत
बताया जा रहा है कि ये सभी प्रयागराज से भोपाल के गांव हिनौती वापस लौट रहे थे। हादसे में कार चालक भूरा गुर्जर, नरेश नगर, अवधेश नगर और 23 वर्षीय पूजा नागर की मौत हो गई। पुलिस ने शवों को मोर्चरी हाउस में रखवा कर मृतकों के परिजनों को सूचना दी। हादसे के समय कानपुर-सागर हाईवे पर जाम लग गया था, जिसे पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद बहाल कराया। साथ ही दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। एसडीएम सदर जितेंद्र कुमार ने बताया कि हादसा बेहद दर्दनाक था, रफ्तार के चलते कार ट्रक के अगले हिस्से में घुस गई, जिसमें कार में सवार सभी चार लोगों की मौत हो गई। शवों के पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है।

ढाबे पर रुके थे, कुछ ही देर बाद हुआ हादसा
जानकारी के मुताबिक, हादसा शुक्रवार सुबह करीब 5 बजे हुआ। कार में सवार लोग महाकुंभ में स्नान कर अयोध्या दर्शन के बाद सूरत लौट रहे थे। रास्ते में चाय के लिए सेमरी टोल प्लाजा के पास एक ढाबे पर रुके थे। वहां से रवाना होने के कुछ ही मिनट बाद उनकी कार तेज रफ्तार में आगे चल रहे ट्रक में घुस गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक ने कार को घसीट दिया और फिर चालक मौके से फरार हो गया।

ट्रक 50 मीटर तक कार को घसीटते हुए ले गया
बताया जा रहा है कि हादसा इतना भीषण था कि ट्रक 50 मीटर तक कार को घसीटते हुए ले गया। कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। ट्रक ड्राइवर मौके पर ही ट्रक छोड़कर फरार हो गया। करीब एक घंटे तक कार के अंदर मौजूद लोग तड़पते रहे। परिवार भोपाल का रहने वाला है। पुलिस के द्वारा जेसीबी की मदद से ट्रक में फंसी हुई कार को अलग किया गया। नरेश नागर पुत्र सिद्धनाथ, पूजा नागर (23) और ड्राइवर अवधेश नागर पुत्र बाबूलाल की मौके पर मौत हो गई। वहीं घायल महिला को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसने भी इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। यह सभी लोग भोपाल के बैरासिया इलाके के रहने वाले हैं।

चालक को नींद आने की वजह से हुआ हादसा
एसपी पलाश बंसल ने बताया कि मौके पर तत्काल एंबुलेंस, पुलिस को भेजा गया था। प्रथम दृष्टया पता चला है कि चालक को नींद आने के कारण यह दूसरे साइड में चले गए। जिससे यह दुर्घटना हुई। ट्रक को कब्जे में लेकर मुकदमा दर्ज कराकर अग्रिम कार्रवाई कराई जा रही है। हादसे और हाईवे पर जाम लगने की सूचना मिलते ही एसपी पलाश बंसल ने मौके पर पहुंचे। एसपी ने मौके पर घटना की जानकारी ली। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर उनके स्वजन को सूचना दी है। एसपी पलाश बंसल ने बताया कि मौके पर तत्काल एंबुलेंस, पुलिस को भेजा गया था। अल्टो कार व ट्रक में भिड़ंत हुई है। इसमें चार यात्री सवार थे और चारों मप्र राज्य के निवासी थे। प्रथम दृष्टया पता चला है कि चालक को नींद आने के कारण यह दूसरे साइड में चले गए। जिससे यह दुर्घटना हुई।

ट्रक पुलिस के कब्जे में, चालक फरार
पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया, जबकि उसका चालक फरार हो गया।हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि हादसे के दौरान हुई टक्कर के बाद ट्रक कार को करीब 50 मीटर तक घसीटता हुए ले गया। मिली जानकारी के मुताबिक, भोपाल निवासी चारों लोग एक साथ कार से प्रयागराज महाकुंभ गए थे।

आउटसोर्स कर्मचारियों और श्रमिकों का बढ़ा वेतन, आदेश जारी

-वेतन में 2434 रुपए की वृद्धि, लाखों कर्मचारियों को बड़ी सौगात

सिटी चीफ इंदौर।
भोपाल। मध्यप्रदेश में एक बार फिर वेतन में बढ़ोत्तरी की गई है। कर्मचारियों, श्रमिकों को बड़ी सौगात देते हुए राज्य सरकार ने 2434 रुपए प्रतिमाह की वृद्धि कर दी है। इसका आदेश भी जारी कर दिया गया है। आउटसोर्स कर्मचारियों, श्रमिकों के न्यूनतम वेतन में यह बढ़ोतरी की गई है। इंदौर हाईकोर्ट के फैसले के बाद श्रम विभाग ने गुरुवार को वेतन वृद्धि के आदेश जारी किए एमपी के आउटसोर्स कर्मचारियों, श्रमिकों के न्यूनतम वेतन में वृद्धि के आदेश जारी कर दिए गए हैं। कर्मचारियों, श्रमिकों को मार्च 2025 से ही इसका लाभ मिलेगा। प्रदेश के 21 लाख आउटसोर्स कर्मचारियों, श्रमिकों को इससे फायदा होगा। उनके वेतन में 1625 रुपए से लेकर 2434 रुपए प्रतिमाह तक इजाफा हो जाएगा। श्रम विभाग ने वेतन वृद्धि करने के आदेश तो जारी कर दिए हैं पर 11 माह के एरियर पर कुछ स्पष्ट नहीं किया है। आउटसोर्स और श्रमिक संगठन को अप्रैल 2024 से ही बढ़े वेतन और एरियर देने की उम्मीद है।
हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ के 10 फरवरी को सुनाए गए फैसले के बाद श्रम विभाग ने यह कदम उठाया है। कोर्ट ने टेक्सटाइल उद्योग में काम करने वाले श्रमिकों

के लिए अलग से न्यूनतम वेतन तय करने के भी सरकार को निर्देश दिए। इन उद्योगों में कार्यरत करीब 4 लाख श्रमिकों को बढ़े हुए वेतन के लिए अभी इंतजार करना पड़ेगा। इससे पहले हाईकोर्ट ने एमपी टेक्सटाइल मिल्स एसोसिएशन द्वारा आउटसोर्स कर्मचारियों, मजदूरों की न्यूनतम वेतन में वृद्धि की अधिसूचना के खिलाफ लगी याचिका खारिज कर दी थी।

मूल वेतन में वृद्धि से बढ़ेगा लाभ
ये वृद्धि मूल वेतन में हो रही है। महंगाई भत्ता जुड़ने के बाद इसका लाभ अधिक हो जाएगा। दरअसल, मूलवेतन के आधार पर ही महंगाई भत्ता बढ़ता है। मसलन एक ही दर से महंगाई भत्ता देने पर 13710 रुपए और 16144 रुपए पर वृद्धि अलग-अलग होगी। वहीं श्रम विभाग के आदेश में 11 माह के एरियर को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है। श्रमिक नेताओं का मानना है कि कोर्ट ने वेतनवृद्धि की अधिसूचना पर लगी रोक हटाकर एक तरह से स्पष्ट कर दिया है कि वेतनवृद्धि से किसी को आपत्ति नहीं है। आपत्ति तो उन तीन उद्योगों के श्रमिकों की वेतनवृद्धि से थी, जिन्हें अधिसूचना से अलग कर दिया गया है। इसलिए अप्रैल 2024 से वेतन भी मिलेगा और एरियर भी। हालांकि कुछ नेता कहते हैं कि इसके लिए संघर्ष करना पड़ेगा। बता दें कि ये कर्मचारी विभिन्न सरकारी कार्यालयों में दैनिक वेतन भोगी, आउटसोर्स कर्मचारियों और अस्थाई श्रमिकों के रूप में काम कर रहे हैं। यह वेतन प्रदेश की सभी औद्योगिक इकाइयों में काम करने वाले मजदूरों पर भी लागू होता है।

स्टे हटने के बाद जारी हुए आदेश
न्यूनतम वेतन सलाहकार बोर्ड ने प्रदेश में नवंबर 2019 में आउटसोर्स कर्मचारियों, मजदूरों के वेतन में 25% वृद्धि की अनुशंसा की थी। सरकार ने इसे 1 अप्रैल 2024 से लागू किया पर श्रमिकों को केवल एक माह ही बढ़ा हुआ वेतन मिल सका था। एमपी टेक्सटाइल मिल्स एसोसिएशन ने न्यूनतम वेतन वृद्धि का विरोध करते हुए इंदौर हाईकोर्ट में याचिका लगाई जिसपर हाईकोर्ट ने स्टे दे दिया था। कोर्ट ने 3 दिसंबर 2024 को यह स्थगन हटा दिया था।

सीटू के नेताओं ने आपत्ति दर्ज कराई
स्टे हटने के बाद भी सरकार ने वेतन देने के आदेश जारी नहीं किए और जनवरी 2025 में तीन नियोजन (टेक्सटाइल एवं मेड अप्स उद्योग, वूवन-निटेड और टेक्नीकल टेक्सटाइल फेब्रिक से बने अपेरल और फुट वियर निर्माण इकाई) को वेतनवृद्धि की अधिसूचना से अलग कर दिया। यानी इन उद्योगों के श्रमिकों पर यह न्यूनतम वेतन लागू नहीं होगा। हालांकि इसे लेकर सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन एमपी (सीटू) के नेताओं ने आपत्ति दर्ज कराई है।

मप्र में लगा आप को झटका, किराया नहीं चुकाने पर ऑफिस में लगा ताला

सिटी चीफ इंदौर।
भोपाल। दिल्ली में हार के बाद एमपी में आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। भोपाल ऑफिस में मकान मालिक ने ताला लगा दिया है। मालिक का आरोप है कि 50000 रुपए का किराया नहीं दिया है। इसी की वजह से ताला लगाया है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में अब तक की हालिया हार के बाद पार्टी के भीतर मतभेद उभर रहे हैं और यह घटना इसी से जुड़ी हुई बताई जा रही है। मध्य प्रदेश में पार्टी नेताओं के बीच भी आपसी मतभेद दिखाई दे रहे हैं। वहीं, मीडिया से बात करते हुए आप की मध्य प्रदेश अध्यक्ष रीना अग्रवाल ने इस घटना से अनभिज्ञता जताई है। उन्होंने कहा कि मुझे सुभाष नगर स्थित प्रदेश कार्यालय में ताला लगने की कोई जानकारी नहीं है। मैं भोपाल के पदाधिकारियों से इसकी जानकारी लूंगी। इसके साथ ही कुछ रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पार्टी के अंदरूनी कलह के कारण यह

स्थिति उत्पन्न हुई है। दिल्ली चुनाव में मिली हार के बाद पार्टी के भीतर मतभेद गहराते जा रहे हैं। भोपाल जिला अध्यक्ष सीपी सिंह चौहान ने भी इस घटना से अनजान होने का दावा किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिला कार्यालय नरेला शंकरी में है। मीडिया से बात करते हुए चौहान ने कहा कि मुझे प्रदेश कार्यालय पर मकान मालिक द्वारा ताला लगाए जाने की कोई सूचना नहीं है। यह घटना आप के लिए एक और झटके के रूप में देखी जा रही है, जो पहले से ही दिल्ली चुनाव में हार से जूझ रही है।
गौरतलब है कि मध्य प्रदेश में आम आदमी पार्टी विधानसभा में दमखम के साथ चुनाव लड़ी थी। हालांकि कोई सफलता नहीं मिली थी। पार्टी ने विधानसभा चुनाव से पहले निकाय चुनाव में जरूर सफलता हासिल की थी। इसमें एक मेयर पद पर जीत मिली थी। हाल ही में छत्तीसगढ़ में भी आम आदमी पार्टी का खाता खुला है।

वेटिंग क्लियर, 103 आवेदकों को और मिला हज पर जाने का मौका

भोपाल। मध्यप्रदेश के हज ख्वाहिशमंद आवेदकों के लिए राहतभरी खबर है। हज कमेटी ऑफ इंडिया ने देश के 8 राज्यों के लिए अतिरिक्त कोटा जारी किया है।
इसमें मप्र के हाजियों के लिए 103 सीटों का फायदा मिला है। इन बढ़ी हुई सीटों के बाद प्रदेश का कुल कोटा 8 हजार पार हो गया है। इसे अब तक प्रदेश को मिले हज कोटे का अधिकतम जैसा माना जा रहा है दरअसल, हज कमेटी ऑफ इंडिया ने छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, केरल, मप्र, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और तेलंगाना के लिए अतिरिक्त हज कोटा जारी किया है। अन्य प्रदेशों से हुए कैंसिलेशन से बची सीटों से बने अतिरिक्त कोटे की स्थिति से मप्र के करीब 103 आवेदकों को हज पर जाने का मौका मिल जाएगा। इन आवेदकों को अपना मूल आवेदन, पासपोर्ट और हज खर्च की दो किश्तें एक साथ जमा कराना होंगी। हज यात्री चयन के बाद कमेटी ने पहली किस्त के रूप में 1 लाख 30 हजार 300 रुपए जमा कराए थे। इसके बाद कमेटी ने दूसरी किस्त 1 लाख, 42 हजार रुपए की जमा कराई गई थी। इस लिहाज से वेटिंग लिस्ट क्लियर होने से चुने गए आवेदकों को इन दोनों किश्तों की कुल राशि 2 लाख, 72 हजार, 300 रुपए एक साथ जमा कराना होंगे। हज कमेटी ने इसके लिए 10 मार्च अंतिम तिथि तय की है। प्रदेश को पहली बार में 7107 सीटों का कोटा आवंटित किया गया था। अतिरिक्त कोटा 1240 सीटें मिलने से यह आंकड़ा 7210 पर पहुंच गया है। इस आंकड़े को प्रदेश से मिलते आए कोटे के अधिकतम के रूप में गिना जा सकता है। मप्र के कुल आवेदकों में से आरक्षित कोटे से बची 9 हजार, 891 आवेदकों में से लॉटरी निकाली गई थी। प्रदेश के कोटे के मुताबिक 7107 लोगों को चुना गया था। इसके साथ ही करीब 2784 लोगों के नाम वेटिंग लिस्ट में रखे गए थे। अब तक क्लियर हुई 1240 सीटों के बाद अब भी करीब 1544 आवेदक प्रतीक्षा सूची में बाकी हैं। उम्मीद की जा रही है कि आने वाले दिनों में मिलने वाले अतिरिक्त कोटे से वेटिंग की कुछ सीटें और भी क्लियर होंगी।

राष्ट्रव्यापी हड़ताल के समर्थन में बैंक कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

भोपाल। बैंकों में रिक्त पदों पर भर्ती, पांच दिन के सप्ताह, नियमित कार्यों में आउटसोर्सिंग बंद करने सहित अन्य मांगों को लेकर यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन ने 24 और 25 मार्च को बैंक हड़ताल का आव्हान किया है। इसे सफल बनाने के लिए भोपाल सहित प्रदेशभर में बैंक कर्मचारी सप्ताह में एक दिन (शुक्रवार को) प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी सिलसिले में शुक्रवार को भोपाल में सभी बैंकों में कर्मचारियों ने मांगों का बैज लगाकर प्रदर्शन किया। मध्य प्रदेश में भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक

ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, केनरा बैंक, इंडियन बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, पंजाब नैशनल बैंक, पंजाब एंड सिंध बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक, फेडरल बैंक लिमिटेड, कर्नाटक बैंक लिमिटेड, करूर वैश्य बैंक लिमिटेड, को-ऑपरेटिव एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की 5000 से अधिक शाखा और कार्यालयों के 40,000 से अधिक बैंक कर्मचारी और अधिकारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में बैज धारण कर कार्य किया।

समाजवादी पार्टी का दावा कोरोना वैक्सीन से हो रही युवाओं की मौत

सिटी चीफ इंदौर।
भोपाल। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनोज यादव ने बड़ा आरोप लगाया है उन्होंने कहा है कि कोरोना वैक्सीन से प्रदेश के युवाओं की मौत हो रही है। जिस पर सरकार स्पष्ट जवाब नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि हाल के महीनों में युवाओं में बढ़ते हार्ट अटैक के मामलों ने गंभीर चिंता पैदा कर दी है, लेकिन सरकार इन पर ठोस जवाब देने के बजाय चुप्पी साधे बैठी है। मध्य प्रदेश में समाजवादी पार्टी संगठन को मजबूत करने सदस्यता अभियान चलाएगी। 1 मार्च से प्रदेश के सभी जिलों में सदस्यता अभियान चलेगा इस सदस्यता अभियान में 2 लाख लोगों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही प्रदेश के सभी संभागों में प्रशिक्षण शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। समाजवादी पार्टी मध्य प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष डॉ मनोज यादव ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता में

बताया कि समाजवादी पार्टी, मध्य प्रदेश, 1 मार्च से 31 मार्च तक एक व्यापक सदस्यता अभियान चला रही है, जिसमें हर नागरिक को पार्टी से जुड़ने और सामाजिक न्याय, समानता व प्रगति की इस यात्रा का हिस्सा बनने का मौका दिया जा रहा है। यह अभियान प्रदेशभर में समाजवादी विचारधारा को मजबूत करने और जनता की आवाज को सत्ता के केंद्र तक पहुंचने का एक सुनहरा अवसर है।
मनोज यादव ने आरोप लगाया कि सरकार ने कोरोना वैक्सीन को सफलतापूर्वक लागू करने का दावा तो किया, लेकिन क्या उसने इसके संभावित दुष्प्रभावों पर सही तरीके से शोध किया? हाल के महीनों में युवाओं में बढ़ते हार्ट अटैक के मामलों ने गंभीर चिंता पैदा कर दी है, लेकिन सरकार इन पर ठोस जवाब देने के बजाय चुप्पी साधे बैठी है।
क्या यह सरकार की लापरवाही नहीं कि वैक्सीन के प्रभावों की समुचित निगरानी नहीं की गई? क्या लोगों की सेहत से जुड़ी गंभीर चिंताओं को दरकिनार कर सिर्फ राजनीतिक प्रचार किया गया? अगर सरकार ने पारदर्शिता रखी होती और वैज्ञानिक डेटा के आधार पर स्पष्ट जानकारी दी होती, तो आज देश में इस तरह के संदेह और डर की स्थिति न बनती।

मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम पर
मनोज यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार अपने चरम पर है, और इसका ताजा उदाहरण पूर्व परिवहन आरक्षक सौरव शर्मा के पास से करोड़ों रुपये के अवैध धन की बरामदगी है। यह साफ दिखाता है कि सरकार के संरक्षण में भ्रष्टाचार किस हद तक फैल चुका है। जब एक मामूली आरक्षक के पास इतनी बड़ी संपत्ति मिल सकती है, तो सोचिए ऊपर बैठे अधिकारियों और नेताओं के पास कितना काला धन होगा! सरकार ने ईमानदारी और पारदर्शिता के बड़े-बड़े दावे तो किए, लेकिन हकीकत में भ्रष्टाचारियों को खुली छूट दे रखी है। यह घटना सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था के सड़ने का सबूत है। अगर सरकार वाकई ईमानदार होती, तो ऐसे घोटाले सामने आने से पहले ही रोके जाते। लेकिन जब सत्ता में बैठे लोग ही भ्रष्टाचार को बढ़ावा दें, तो आम जनता के पैसे की इस तरह लूट होती रहती है।

विधायक संजय पाठक को घेरा
मनोज यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार और सत्ता की मिलीभगत का एक और शर्मनाक उदाहरण सामने आया है। भाजपा विधायक संजय पाठक द्वारा सहारा कंपनी की करोड़ों की जमीन को माटी मॉल में खरीदे जाने का मामला दिखाता है कि कैसे प्रशासनिक अधिकारियों के साथ साठगांठ करके नियमों को ताक पर रखा जा रहा है। यह सौदा सिर्फ एक भूमि घोटाला नहीं, बल्कि यह प्रमाण है कि किस तरह सत्ता में बैठे लोग आम जनता की संपत्तियों को अपने फायदे के लिए हड़प रहे हैं। क्या सरकार बताएगी कि इस सौदे की पारदर्शिता की जांच क्यों नहीं की गई? जब सत्ता का दुरुपयोग कर इस तरह की खरीद-फरोख्त होती है, तो आम जनता के अधिकार कहां जाते हैं? यह घोटाला भाजपा की भ्रष्ट नीतियों और पूंजीपतियों के साथ मिलीभगत का एक और उदाहरण है, जिसे जनता कभी माफ नहीं करेगी।

सम्पादकीय

चौंकाता है महाकुंभ में सनातन संस्कृति का उफान

प्रयागराज में 45 दिन चले महाकुंभ मेले का गुरुवार को आधिकारिक रूप से समापन हो गया। महाकुंभ में 66 करोड़ से अधिक तीर्थयात्रियों ने गंगा-यमुना व अदृश्य सरस्वती के संगम पर महाकुंभ के दौरान डुबकी लगाई। एक भगदड़ की घटना में कुछ श्रद्धालुओं का असमय काल-कवलित होना दुखद ही था। कुछ अग्निकांड भी हुए। लेकिन यदि बात करोड़ों श्रद्धालुओं के संगम में स्नान व उनके आने-जाने व रहने की व्यवस्था की हो तो योगी सरकार अपनी पीठ थपथपा सकती है।

प्रयागराज में 45 दिन चले महाकुंभ मेले का गुरुवार को आधिकारिक रूप से समापन हो गया। महाकुंभ मेला 2025 के समापन कार्यक्रम में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत सरकार के विभागों ने महाकुंभ को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ के दौरान काशी विश्वनाथ और विंध्यवासिनी का एक सर्किट बना तो अयोध्या और गोरखपुर का दूसरा सर्किट बना। वहीं प्रयागराज से श्रृंग्वेरपुर होते हुए लखनऊ और नैमिषारण्य का तीसरा सर्किट एवं प्रयागराज से लालापुर-राजापुर और चित्रकूट का चौथा सर्किट तथा प्रयागराज से वृंदावन का पांचवा सर्किट बना। प्रयागराज के लोगों को विशेष धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा, प्रयागराज वासियों ने इस आयोजन को अपने घर का आयोजन माना, उत्तरप्रदेश के लोगों ने हर जगह श्रद्धालुओं और साधु-संतों का स्वागत किया, मैं सभी का अभिनंदन करता हूं। सरकारी आंकड़ों पर विश्वास करें तो इस महाकुंभ में 66 करोड़ से अधिक तीर्थयात्रियों ने गंगा-यमुना व अदृश्य सरस्वती के संगम पर महाकुंभ के दौरान डुबकी लगाई। एक भगदड़ की घटना में कुछ श्रद्धालुओं का असमय काल-कवलित होना दुखद ही था। कुछ अग्निकांड भी हुए। लेकिन यदि बात करोड़ों श्रद्धालुओं के संगम में स्नान व उनके आने-जाने व रहने की व्यवस्था की हो तो योगी सरकार अपनी पीठ थपथपा सकती है। रूस-अमेरिका जैसी महाशक्तियों की आबादी से अधिक जनसंख्या का प्रबंधन निश्चय ही एक बड़ी चुनौती थी। ऐसे दौर में जब उपभोक्ता संस्कृति सिर चढ़कर बोल रही है, तब सनातन संस्कृति का ऐसा उफान चौंकाता है, जिसमें लोग तमाम कष्ट सहकर संगम में डुबकी लगाने को आतुर दिखे। त्याग-संयम से परिचित कराना कुंभ संस्कृति का उद्देश्य भी रहा है। इस तरह हमने अपने पुरखों की गौरवशाली विरासत का सम्मान किया, जिसमें सदियों से करोड़ों लोग बिना चिट्ठी-पत्री के स्वतस्फूर्त भाव से कुंभ के मेले में जुटते रहे हैं। भारतीय संस्कृति में ऐसी क्या खासियत है? महाकुंभ जैसे इतने बड़े आयोजन कैसे सफलतापूर्वक होते हैं? यह देखने पूरी दुनिया के जिज्ञासु, विभिन्न धर्मों के अनुयायी, फोटोग्राफर और पत्रकार सदियों से महाकुंभ में जुटते रहे हैं। महाकुंभ के सफल आयोजन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि महाकुंभ ने पूरी दुनिया को युग-परिवर्तन की आहट और विशाल आयोजन की क्षमता से रूबरू कराया है। महत्वपूर्ण यह है कि तीर्थयात्रियों ने जिस तरह दिल खोल कर खर्च किया, वो निश्चय ही उत्तरप्रदेश की अर्थव्यवस्था का तारणहार बनेगा। बताते हैं कि इससे प्रदेश की जीडीपी में करीब साढ़े चार लाख करोड़ रुपये का इजाफा होगा। जो देश की तमाम देशी-विदेशी इनवेस्ट समिटों से कहीं ज्यादा ठोस आय का स्रोत बना है। कई गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड इस महाकुंभ के नाम हुए। गुरुवार को तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड प्रमाणपत्र मुख्यमंत्री योगी को सौंपे गए। विपक्ष, खासकर सपा व कांग्रेस कुंभ आयोजन को लेकर हमलावर रहे हैं। वहीं शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने महाकुंभ के समापन पर कहा कि यह सरकारी महाकुंभ है। असली कुंभ तो माघ पूर्णिमा को ही संपन्न हो चुका था। इस बार के महाकुंभ को टेक्नोलॉजी के महाकुंभ के रूप में भी याद किया जाएगा। महाकुंभ में विशेष एल्गोरिदम के जरिये इस्तेमाल पांच सौ एआई कैमरे क्राउड डेंसिटी व फैशियल रिकग्निशन के लिये इस्तेमाल किए गए। जिसके जरिये करोड़ों श्रद्धालुओं की गिनती संभव हुई। वहीं बिछुड़ों को परिजनों से मिलाने, आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। निस्संदेह, इतने बड़े जनसैलाब को संभालना किसी भी सरकार के लिये बड़ी चुनौती होती है। लेकिन भविष्य में महाकुंभ के आयोजन के लिये प्रयागराज महाकुंभ के अनुभवों से सबक लेने की जरूरत है। इस बात का वैज्ञानिक अध्ययन होना चाहिए कि भगदड़ को कैसे टाला जाए। आखिर क्यों दो सौ- तीन सौ किलोमीटर के जाम लगते रहे हैं। कैसे ट्रेनों का संचालन बिना किसी व्यवधान के किया जाए। हालांकि, 16 नई ट्रेनें चलाने की बात कही गई, लेकिन तमाम स्टेशनों पर ट्रेन में चढ़ने के लिये मारामारी होती रही है। दिल्ली रेलवे स्टेशन का हादसा इसका ज्वलंत उदाहरण है। महाकुंभ के सफल आयोजन ने बताया है कि देश में धार्मिक पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं।

महाकुंभ की सफलता से दुनिया हुई विस्मित

समुद्र मंथन के दौरान निकले कलश से छलकीं अमृत की चंद बूंदों से युगों पहले शुरू शुरू हुई कुंभ स्नान की परंपरा का तीर्थराज प्रयागराज की धरती पर बीते 13 जनवरी से आयोजित हुए दिव्य-भव्य और सांस्कृतिक-धार्मिक समागम महाकुम्भ ने बुधवार को महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व पर 66 करोड़ का आंकड़ा पारकर अनूठा एवं विलक्षण इतिहास रच दिया। दुनिया के सबसे बड़े सनातन समागम पर बने नये कीर्तिमानों ने न केवल दुनिया को चौंकाया बल्कि विस्मित भी किया।

समुद्र मंथन के दौरान निकले कलश से छलकीं अमृत की चंद बूंदों से युगों पहले शुरू शुरू हुई कुंभ स्नान की परंपरा का तीर्थराज प्रयागराज की धरती पर बीते 13 जनवरी से आयोजित हुए दिव्य-भव्य और सांस्कृतिक-धार्मिक समागम महाकुम्भ ने बुधवार को महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व पर 66 करोड़ का आंकड़ा पारकर अनूठा एवं विलक्षण इतिहास रच दिया। दुनिया के सबसे बड़े सनातन समागम पर बने नये कीर्तिमानों ने न केवल दुनिया को चौंकाया बल्कि विस्मित भी किया, इस महारिकॉर्ड को स्थापित कर इस महाकुम्भ को संख्या के लिहाज से इतिहास के पन्नों में दर्ज करा दिया, जो न केवल दुनिया को चौंकाने वाला बल्कि सनातन परम्परा का परचम फहराने वाला दुनिया का अकेला आयोजन बन गया है। इस सफल आयोजन से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कद बढ़ गया है। इस महा अनुष्ठान ने पूरे विश्व को सनातनी एकता का संदेश तो दिया है, यह भी प्रमाणित किया है कि उत्तर प्रदेश अब हर स्तर पर सक्षम प्रदेश बन चुका है। प्रदेश की कानून व्यवस्था को एक नये अध्याय के रूप में देखा जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में आयोजित यह मानवता का महायज्ञ, आस्था, एकता और समता का महापर्व बना, जो न केवल अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण बना बल्कि दुनिया में भारत की एक नई छवि, भीड़ प्रबंधन, सनातन एकता के लिये अमिट आलेख बन गया है।

सनातन गहराई को मापने वालों को बधाई, इससे नई पात्रता का निर्माण होगा, जहां हमारी हिन्दू संस्कृति पुनः अपने मूल्यों एवं संगठन के साथ नई शक्ल एवं ताकत के रूप में प्रतिष्ठापित होगी।

यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में दर्ज महाकुंभ को केंद्र और प्रदेश की सरकारें विश्व समुदाय के समक्ष अद्भुत एवं विलक्षण रूप में प्रस्तुत करने में ऐतिहासिक रूप से सफल रही है। पूज्य अखाड़ों, साधु-संतों, महामंडलेश्वरों एवं धमार्चार्यों के पुण्य आशीर्वाद का ही प्रतिफल है कि समरसता का जितने श्रद्धालु एवं हिन्दू 45 दिनों के अंदर प्रयागराज में बनाए गए एक अस्थायी शहर में जुटे, यह संख्या कई देशों की आबादी से भी कई गुना अधिक है। 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में सनातन आस्था की पावन डुबकी लगाकर धार्मिक और सांस्कृतिक एकता की अद्वितीय मिसाल कायम कर दी है। अमेरिका आबादी से दोगुनी से ज्यादा, पाकिस्तान की ढाई गुना से अधिक और रूस की चार गुणा से ज्यादा आबादी के बराबर श्रद्धालु यहां आये हैं। यही नहीं, जापान की 5 गुनी आबादी, यूके की 10 गुनी से ज्यादा आबादी और फ्रांस की 15 गुनी से ज्यादा आबादी ने यहां आकर त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगा ली है। चौंकाने वाली बात यह है कि दुनिया में किसी भी धार्मिक, सांस्कृतिक या अन्य आयोजनों में इतनी भीड़ नहीं जुटी है। उदाहरण के लिए सऊदी अरब में हर साल होने वाले हज में करीब 25 लाख मुस्लिम मक्का में एकत्रित होते हैं। दूसरी तरफ इराक में हर साल होने वाले अरबईन में दो दिन में 2 करोड़ से अधिक तीर्थयात्री जुटते हैं। प्रयागराज में 45 दिन में जुटे श्रद्धालुओं की संख्या दुनिया के 231 देशों की आबादी से ज्यादा है। सिर्फ भारत और चीन की आबादी ही प्रयागराज पहुंचे लोगों की संख्या से ज्यादा है।

जितनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया, वह अकल्पनीय है, विश्व में इतने विशाल जनसमूह को आकर्षित एवं नियोजित करने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजन की कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। इस सफल एवं ऐतिहासिक आयोजन से विपक्षी दल एवं नेता बौखलाये हुए हैं और अपने बेतुके एवं अनर्गल प्रलाप से न केवल इस आयोजन की सफलता-गरिमा को धुंधलाना चाहते हैं बल्कि सनातन संस्कृति का उपहास उड़ा रहे है। कुछ तथाकथित प्रगतिशील और धर्मनिरपेक्षतावादी लोगों को सनातन धर्म से जुड़ा हर पर्व और परंपरा रास नहीं आती, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या वे अन्य मतावलंबियों के ऐसे धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों पर उसी तरह की टीका टिप्पणी करते हैं जैसी उन्होंने महाकुंभ को लेकर की। आखिर हिन्दू समाज अपने अस्तित्व एवं अस्मिता पर हो रहे इन हमलों एवं आघातों के लिये अब जागरूक एवं संगठित नहीं होगा तो कब होगा?

प्रयागराज महाकुंभ लोगों के स्नान, रहने, चिकित्सा, यातायात व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता और सुरक्षा की शानदार एवं ऐतिहासिक व्यवस्थाएं देखकर दुनिया भौचक रह गयी। भीड़ प्रबंधन में आर्टिफिशियल इंटिलेंजेंस का उपयोग और ड्रोन व एंटी ड्रोन सिस्टम से संदिग्धों पर निगाह रखना भविष्य की पुलिसिंग की तस्वीर प्रस्तुत करता है। यही कारण है कि विश्व के कई देशों के विशेषज्ञ यहां भीड़ प्रबंधन पर शोध करने पहुंचे हैं। इतने बड़े आयोजन में एक दो घटनाएं इतनी महत्वपूर्ण नहीं, जितना यह कि यहां आने वाला हर श्रद्धालु उल्लास और यहां की आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो लौटा। महाकुंभ ने उन सभी स्थानों के लिए एक मानदंड प्रस्तुत किया है, जहां कुंभ अर्धकुंभ के आयोजन होने हैं। यह ठीक है कि जिस आयोजन में प्रतिदिन एक-दो करोड़ लोगों की भागीदारी होती हो, वहां कुछ समस्याएं हो सकती हैं और वे दिखीं भी, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि इस आयोजन को विफल बताने की कोशिश की जाए अथवा यह कहा जाए कि श्रद्धालुओं को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है।

महाकुंभ भारत की हिन्दू संस्कृति, आस्था और एकता का प्रतीक है। भारत एक हिंदू राष्ट्र है यह न केवल हमारा विश्वास है बल्कि ऐतिहासिक, औपचारिक और सामाजिक सत्य भी है। भले ही भारतीय संविधान ने इसे औपचारिक रूप से हिंदू राष्ट्र न घोषित किया हो, लेकिन भारत का अस्तित्व और उसकी आत्मा सनातन धर्म में रची बसी है। इस तथ्य को न केवल भारत के नागरिक बल्कि समूची दुनिया भी स्वीकार करती है। भारत की पहचान केवल एक भौगोलिक इकाई तक ही सीमित नहीं है, यह एक महान सनातनी सभ्यता है, जिसकी जड़े हजारों वर्षों पुरानी है। ऋग्वेद, उपनिषद, महाभारत, रामायण, पुराण और स्मृतियां हमारे सांस्कृतिक आधारस्तंभ है। यहीं से वसुधैव कुटुंबकम और सर्वे भवंतु सुखिनः जैसे महान विचार जन्म लेते हैं। यदि हम इतिहास को देखें, तो भारत में वैदिक काल से ही हिंदू संस्कृति का वर्चस्व रहा है। मौर्य, गुप्त, चोल, मराठा और अन्य हिंदू राजवंशों ने भारत की सांस्कृतिक और राजनीतिक एकता को बनाए रखा। विदेशी आक्रमणों और औपनिवेशिक शासनों के बावजूद, हिंदू समाज अपनी जड़ों से कभी नहीं हटा। भारत को हिंदू राष्ट्र कहने का अर्थ यह नहीं है कि यहां अन्य धर्मों के लिए स्थान नहीं है। हिंदू संस्कृति सदैव सर्वसमावेशी रही है।

हिन्दू आस्था से नफरत करने वाले ये लोग सदियों से किसी न किसी शक्ल में रहते रहे हैं। गुलामी की मानसिकता से घिरे ये लोग हिन्दू मठों, मंदिरों, संतों, संस्कृति व सिद्धांतों पर हमला करते हुए राजनीति करते रहे हैं। हिन्दू समाज को बांटना, उसकी एकता को तोड़ना ही इनका एजेंडा हैं। आज विश्व भारत को केवल एक राष्ट्र राज्य के रूप में नहीं देखता बल्कि उसे सनातन संस्कृति की जन्मभूमि और हिंदू राष्ट्र के रूप में पहचानता है। नेपाल, इंडोनेशिया, थाईलैंड, कंबोडिया जैसे देशों की संस्कृति पर भारत का गहरा प्रभाव रहा है। हाल ही में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में भगवद्गीता का पाठ किया गया, जो इस बात का प्रमाण है कि विश्व भारत को हिंदू राष्ट्र के रूप में स्वीकार कर रहा है। अमेरिका और यूरोप में भी योग, वेदांत और भगवद्गीता के प्रति बढ़ती रूचि यह दशार्ती है कि हिंदू जीवन दर्शन वैश्विक स्तर पर स्वीकार किया जा रहा है। महाकुंभ के खिलाफ दुष्प्रचार की आंधी से हिन्दू धर्म एवं संस्कृति को धुंधलाने की कुचेष्टा एवं षडयंत्र है। यह सनातन धर्म पर प्रहार न केवल निंदनीय है बल्कि शर्मनाक भी है। कुंभनगरी में सबसे ज्यादा फोकस सेक्टर-18 पर रखा गया, यहां वीआईपी गेट भी बनाया गया, इस पॉइंट पर 72 देशों के ध्वज लगे, जिनके नुमाइंदे ही नहीं, बल्कि लगभग 180 देशों के लोगों ने महाकुंभ में सम्मिलित होकर महाकुंभ के भव्य, व्यवस्थित एवं सफल आयोजन की भरपूर सराहना की है। अनेक विदेशी ने सनातन धर्म में दीक्षित हुए है।

मिजोरम में तेजी से बढ़ते एचआईवी संक्रमण पर रोक लगाने की पहल

पूर्वोत्तर के पर्वतीय राज्य मिजोरम में एचआईवी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। यहां इस बीमारी की संक्रमण दर (2.73 प्रतिशत) ने राष्ट्रीय औसत (0.02 प्रतिशत) को काफी पीछे छोड़ दिया है। अब एचआईवी पीड़ितों की तादाद के मामले में मिजोरम पूरे देश में पहले स्थान पर है। इस साल जनवरी तक राज्य में एचआईवी संक्रमित मरीजों की तादाद 32 हजार से ज्यादा हो गई थी। इनमें से करीब साढ़े पांच हजार लोगों की इस बीमारी से मौत हो चुकी है।स्वास्थ्य मंत्री लालरिनपुई बताती हैं कि बीते साल अप्रैल से इस साल जनवरी के दौरान करीब 18 सौ नए मामले सामने आए हैं। उन्होंने इस स्थिति पर गहरी चिंता जताते हुए इससे निपटने के लिए शीघ्र ठोस पहल करने की अपील की है। ऐसे मरीजों की सही तादाद का पता लगाने के लिए सरकार ने अब सेल्फ टेस्टिंग किट लांच किए हैं। इनसे लोग घर बैठे ही संक्रमण का पता लगा सकते हैं। उसके बाद उनका इलाज शुरू हो सकता है। अब तक लोगों को निर्धारित जांच केंद्रों में जाकर एड्स की जांच करानी होती थी।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि कई लोग सामाजिक उपहास और शर्म से बचने के लिए जांच कराने से हिचकते हैं। इससे मरीजों की सही संख्या का पता नहीं लग पाता। राज्य में एड्स कंट्रोल सोसाइटी के परियोजना निदेशक डा. जेन राल्ते बताते हैं कि राज्य में कुल मामलों में से करीब 67 प्रतिशत असुरक्षित सेक्स का नतीजा है। करीब 30 प्रतिशत मामले ऐसे हैं जो नशे के लिए इस्तेमाल की जाने वाली सुइयों के कारण हुए हैं।

हाल में एचआईवी नियंत्रण के लिए विधायकों की एक उच्च-स्तरीय समिति की बैठक में भी इस मुद्दे की गंभीरता पर विचार किया गया,। बैठक में मौजूद विधायकों ने इस बीमारी के समुचित इलाज और मरीजों की देखभाल के लिए अपनी विधायक निधि से 50-50 हजार रुपए की रकम एड्स कंट्रोल सोसाइटी को देने का फैसला किया। लेकिन यह छोटा सा राज्य एचआईवी संक्रमण के मामले में देश में पहले नंबर पर कैसे पहुंच गया? डॉ. राल्ते बताते हैं कि असुरक्षित सेक्स और एक से ज्यादा लोगों के साथ शारीरिक संबंध कायम करना इसकी सबसे प्रमुख वजह है। इसके साथ ही नशीले पदार्थों के आदी लोगों में एक ही सूई का इस्तेमाल भी इस संक्रमण को तेजी से बढ़ा रहा है। उनका कहना था कि लोगों में जागरूकता की कमी है। सामाजिक कलंक के कारण कई लोग जांच नहीं कराते। इससे संक्रमित लोगों की सही तादाद सामने नहीं आ पाती। कई लोग संक्रमण का पता चलने के बावजूद बदनामी के डर से इलाज के लिए आगे नहीं आते।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि पड़ोसी देशों-म्यांमार और बांग्लादेश से बड़े पैमाने पर शरणार्थियों की आवक भी कुछ हद तक इस संक्रमण के लिए जिम्मेदार है। वर्ष 2021 में म्यांमार में सैन्य तख्तापलट के बाद वहां से करीब 40 हजार शरणार्थी सीमा पार कर मिजोरम के विभिन्न इलाकों में रह रहे हैं।

राज्य सरकार समय-समय पर जागरूकता अभियान चलाती रही है। लेकिन इसका कोई खास असर नहीं हो सका है। राज्य की दुर्गम भौगोलिक बसावट के कारण हर जगह जांच की सुविधा उपलब्ध नहीं है। नजदीकी शहर में इसकी सुविधा नहीं होने की वजह से भी कई लोग दूर-दराज के शहरों तक जाकर जांच कराने से बचते हैं।

डा. राल्ते बताते हैं कि इस संक्रमण से जुड़े सामाजिक कलंक को ध्यान में रखते हुए सरकार ने इससे निपटने के लिए अब सेल्फ टेस्टिंग किट बाजार में उतारा है। इससे कोई भी व्यक्ति घर बैठे संक्रमण की जांच कर सकता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि देरी से जांच की वजह से दूसरे लोगों में भी संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ता है। इसी वजह से सेल्फ टेस्टिंग किट बाजार में उतारने का फैसला किया गया ताकि लोग घर बैठे बीमारी की जांच कर सकें। उसके बाद उनका इलाज शुरू किया जा सकेगा। इसका इस्तेमाल काफी आसान है। लार या खून के नमूने से ही संक्रमण का पता लगाया जा सकता है। इस जांच का नतीजा मिनटों में पता चल जाता है। डा. राल्ते के मुताबिक, कई देशों में यह तरीका आजमाया जा रहा है और वहां इससे संक्रमण का पता लगाने में सहूलियत हुई है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि सबसे गंभीर बात यह है कि इस संक्रमण की चपेट में आने वाले ज्यादातर लोग युवा ही हैं। सेल्फ टेस्टिंग किट से संक्रमित मरीजों की सही तादाद का पता तो जरूर लगाया जा सकता है। लेकिन उनको इलाज केंद्रों तक पहुंचाने के लिए बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान चलाना जरूरी है।

कहीं एम.के. स्टालिन पर उल्टा न पड़ जाए हिंदी विरोध!

तमिलनाडु में अगले साल विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। राज्य में कोई भी बड़ा मुद्दा अपने पक्ष नजर नहीं देख द्रमुक पार्टी के नेता और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने एक बार फिर हिंदी विरोध के मुद्दे को चुना है। यह विरोध हिंदी का नहीं, बल्कि विशुद्ध रूप से एक राजनीतिक एजेंडा भर दिख रहा है। तमिलनाडु में भी अन्य राज्यों की तरह सत्ता विरोधी लहर चलती है। हर पांच साल बाद जनता अकसर सरकार बदल देती है। एम.के. स्टालिन के पक्ष में परिस्थितियां अच्छी नजर नहीं आ रही हैं। यही कारण है कि उन्होंने वर्ष 1937 से चले आ रहे हिंदी विरोधी मुद्दे को विधानसभा चुनाव से सालभर हवा देना प्रारंभ कर दिया है। हालांकि, यह लग रहा है कि इस बार उनका यह पैंतरा चलने वाला नहीं है।

आपको थोड़ा सा अतीत में लेकर चलता हूं। सितंबर 2020 में एम.के. स्टालिन की बहन और द्रमुक पार्टी नेता कनिमोझी ने हिंदी विरोध में चुनाव से पहले यूं ही झंडा बुलंद किया था। उस समय बात यहां तक पहुंच गई थी कि कनिमोझी ने तत्कालीन केंद्रीय आयुष मंत्री श्रीपाद नायक को चिट्ठी लिखकर तब मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटोचा का इस्तीफा तक मांग लिया था, क्योंकि कनिमोझी का आरोप था कि कोटेचा ने एक वेबीनार में हिंदी नहीं जानने वाले प्रतिभागियों को सत्र छोड़कर जाने के लिए कहा था।

कनिमोझी ने चेन्नई एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ के जवान पर उन्हें हिंदी को लेकर तंग करने का आरोप लगाया था, जो असत्य निकला था। कनिमोझी ने यहां तक कहा था कि उन्हें हिंदी आती नहीं है, जबकि सच्चाई बिल्कुल इसके उल्ट है। कनिमोझी को न केवल हिंदी अच्छे से आती है, बल्कि उर्दू, तमिल, अंग्रेजी समेत पांच भाषाओं को वो जानती हैं।

आपकी स्मृति के लिए बता दूं। एक बार पूर्व उप प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल चेन्नई पहुंचे थे। उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री करुणानिधि की मौजूदगी में हिंदी में भाषण दिया था। तब उनके हिंदी भाषण का तमिल में रूपांतरण कनिमोझी ने किया था। अब आप समझ लीजिए, हिंदी को लेकर कनिमोझी का विरोध कैसा था?

अब एम.के. स्टालिन पर आते हैं। स्टालिन अब केवल हिंदी का विरोध नहीं कर रहे, बल्कि वो इससे आगे बढ़कर संस्कृत तक पहुंच गए हैं। उन्होंने यहां तक कह दिया है कि संघ परिवार का असली एजेंडा संस्कृत को थोपने का है। हिंदी को लेकर उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि हिंदी के कारण यूपी-बिहार में 25 से ज्यादा भाषाएं खत्म हो गईं हैं।

यह रिसर्च स्टालिन ने कब कराई? यह उन्होंने बताया नहीं है। साफ दिख रहा है कि स्टालिन एक बार फिर भाषा के आधार पर भावनाओं को भड़का कर वोट लेने की मंशा रखते हैं। संभवतः पिछले 4 सालों में उन्होंने क्या काम कराए हैं, यह बताने के लिए नहीं है। इसलिए राजनीति अब हिंदी-संस्कृत पर आकर रुक गई है।

आखिर एक नई भाषा को सीखने में हर्ज क्या है? क्या तमिलनाडु के युवाओं को हिंदी नहीं आनी चाहिए? यदि अवसर मिले तो हिंदी भाषी युवा भी तमिल सीखना चाहेगा। आज हिंदी बोलने वालों की संख्या दुनिया में 70 करोड़ से अधिक है। भारत में ही 53 करोड़ से अधिक लोग हिंदी बोलते हैं। हिंदी का बहुत बड़ा बाजार है। हिंदी की मांग पूरी दुनिया में बढ़ रही है।

ऐसे में किसी एक राज्य के युवाओं को हिंदी जैसी भाषा से राजनीतिक कारणों से दूर करना कितना उचित है? फिर नई शिक्षा नीति-2020 में कहीं भी यह बाध्यता नहीं है कि आपको हिंदी सीखनी ही है। किसी दूसरी भारतीय भाषा को भी तमिलनाडु के युवा सीख सकते हैं। साफ है कि मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन जानबूझकर हिंदी का ही विरोध कर रहे हैं। मातृभाषा में पढ़ाई और अंग्रेजी या अन्य विदेशी भाषा में पढ़ाई हो ही रही है। यह भी सत्य है कि तमिलनाडु में भाजपा धीरे-धीरे अपना वोटबैंक बढ़ा रही है। इस समय द्रमुक के आगे बड़ी चुनौती यह है कि भाजपा का मत प्रतिशत तमिलनाडु में बढ़ रहा है। अगर वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के आंकड़ों की बात करें तो डीएमके को 46.9त्न वोट मिले, जो वर्ष 2019 के मुकाबले 6.18त्न कम थे, जबकि एआईएडीएमके ने 23.05त्न हासिल किए, जो पिछले चुनाव से 1.50त्न ज्यादा थे। भाजपा ने 18.28त्न वोट हासिल किए, जो पिछले चुनाव से 3.31त्न अधिक थे। के.अन्नामलाई के नेतृत्व में भाजपा इस समय बहुत आक्रमक तरीके से तमिलनाडु में प्रचार कर रही है। एआईएडीएमके की चुनौती तो शुरू से द्रमुक के आगे रही है। अब देखना यह होगा कि मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन का हिंदी-संस्कृत विरोध कहां तक जाता है? हिंदी को लेकर इंडी गठबंधन के प्रमुख सहयोगी दल कांग्रेस

महाशिवरात्रि पर्व पर अमरकंटक में आयोजित 5 दिवसीय मेले का सांसद ने किया शुभारंभ

मेले में विभिन्न विभागों ने प्रदर्शनी लगाकर किया शासकीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, मां नर्मदा के उद्गम क्षेत्र पवित्र नगरी अमरकंटक में महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर सर्किट हाउस के पीछे स्थित मेला ग्राउंड अमरकंटक में आयोजित पांच दिवसीय मेला का शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने फीता काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक पुष्पराजगढ़ श्री फुन्देलाल सिंह, अपर कलेक्टर श्री दिलीप कुमार पाण्डेय, एसडीएम पुष्पराजगढ़ श्री महिपाल सिंह गुर्जर, नगर परिषद अमरकंटक की अध्यक्ष श्रीमती पार्वती सिंह उइके, उपाध्यक्ष श्री रज्जू सिंह नेताम, तहसीलदार श्री गौरीशंकर शर्मा, नायब तहसीलदार श्री कौशलेन्द्र मिश्रा, उपयंत्री श्री बृजेश पाण्डेय, श्री अंबिका तिवारी, श्री राम गोपाल द्विवेदी, श्री श्रवण उपाध्याय सहित नगर परिषद अमरकंटक के पार्षदगण, जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी, कर्मचारी ,पत्रकार तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु व दर्शनार्थी उपस्थित थे।

अमरकंटक में आयोजित महाशिवरात्रि मेला स्थल पर शासकीय विभागों पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, उद्यानिकी विभाग, मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड शहडोल, कृषि विभाग, जनजाति कार्य विभाग, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, आयुष विभाग, वन विभाग, खादी ग्रामोद्योग विभाग द्वारा शासकीय योजनाओं के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से प्रदर्शनी सह शिविर आयोजित किया गया था। जिसका सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह, विधायक श्री फुन्देलाल सिंह सहित जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों व नागरिकों ने अवलोकन किया। सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने नागरिकों तथा बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं को महाशिवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं दी।

शिवरात्रि पर मां नर्मदा की श्रृद्धालुओं ने की उपासना
महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर पवित्र नगरी अमरकंटक में मां नर्मदा उद्गम मंदिर में मां नर्मदा व भगवान शिव शंकर की भक्ति में लीन श्रृद्धालू उपासना करते देखे गए। बड़ी संख्या में श्रृद्धालुओं ने बम-बम भोले, हर-हर नर्मदे, ओम नम: शिवाय का जप किया। देवालयों में लोग पूजा-अर्चना, रुद्राभिषेक व जप करते देखे गए। मां नर्मदा उद्गम मंदिर में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने उद्गम मंदिर में मां नर्मदा व भगवान शंकर के देवालयों में मत्था टेका तथा भक्ति में लीन नजर आये। नर्मदा तट में श्रद्धालुओं ने स्नान किया तथा भोलेनाथ की पिंडी में जल का अर्पण किया। महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर अमरकंटक में स्थित आश्रमों ने भंडारा तथा जगह-जगह भक्तों ने प्रसाद का वितरण किया।

अमरकंटक में महाशिवरात्रि का महत्व मां नर्मदा को शंकरी अर्थात भगवान शंकर की पुत्री कहा जाता है। अन्य नदियों से विपरीत नर्मदा से निकले हुए पत्थरों को शिव का रूप माना जाता है, ये स्वयं प्राण प्रतिष्ठित होते हैं अर्थात् नर्मदा के पत्थरों को प्राण प्रतिष्ठित करने की आवश्यकता नहीं होती है, इसी कारण देश में ही नही विदेशों में भी नर्मदा से निकले हुए पत्थरों की शिवलिंग के रुप में सर्वाधित मान्यता है, जिसके कारण अमरकंटक में महाशिवरात्रि का बड़ा महत्व है।

नागरिकों की जरूरत की सामग्री भी मेले में हो रही उपलब्ध मेले में जहां एक ओर हस्तशिल्प तथा खिलौने तथा विभागीय स्टाल लगाए गए थे। वहीं दूसरी ओर कपड़े, बर्तन, क्राकरी के बर्तन तथा फल, मिष्ठान, पूजन सामग्री, मनिहारी की सामग्री सहित विविध सामग्रियों की दुकानें सजाई गई हैं।

नर्मदा तट में श्रृद्धालुओं ने लगाई डुबकी महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर नर्मदा तट स्थित रामघाट सहित अन्य सरोवरों में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रृद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई तथा भगवान शिव एवं मां नर्मदा को याद करते हुए जल अर्पण किया।

मेले का कलेक्टर ने लिया जायजा महाशिवरात्रि के अवसर पर मेला ग्राउंड अमरकंटक में आयोजित महाशिवरात्रि मेले का कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने भ्रमण कर जायजा लिया गया उन्होंने साफ सफाई तथा आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों को दिशा निर्देश भी दिए।

अबूझमाड़ पीस हॉफ मैराथन में अब तक देश-विदेश के 10 हजार से अधिक धावक होंगे शामिल

कलेक्टर ने की तैयारियों की समीक्षा

गणेश वैष्णव । सिटी चीफ
नारायणपुर, नारायणपुर जिले में 02 मार्च को आयोजित होने वाले अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथन की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी है। पूरा नारायणपुर जिला देश-विदेश से आने वाले धावकों के स्वागत के लिए आतुर है। अबूझमाड़ पीस हॉफ मैराथन की तैयारियों को अंतिम रूप देने और की गयी तैयारियों की कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं द्वारा एजुकेशन हब गरांजी में बारह से आने वाले धावकों के ठहरने एवं भोजन आदि की व्यवस्था का निरीक्षण कर उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने नव निर्मित ग्रंथालय भवन, स्वरोजगार प्रशिक्षण केन्द्र, नेलनार और झारावाही कन्या आश्रम, विशेष पिछड़ी जनजाति आश्रम, लाईवलीहुड कॉलेज, पॉलिटेक्निक कन्या छात्रावास एवं कॉलेज भवन और रमोतीन माड़िया कन्या छात्रावास का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान नेलनार कन्या आश्रम में पढ़ाई में कर रहे छात्राओं से शिक्षा की गुणवत्ता संबंधी जानकारी ली।

कलेक्टर ने धावकों के ठहरने वाली जगहों पर बिजली, पानी, साफ-सफाई, शौचालय और भोजन आदि की बेहतर व्यवस्था करने निर्देशित किया। मैराथन दौड़ हेतु देश विदेश सहित लगभग 10 हजार से अधिक लोगों ने पंजीयन कराया है। मैराथन दौड़ के दौरान धावकों के लिए प्रत्येक किलोमीटर पर ग्लोकोस पानी, बिस्किट आदि की व्यवस्था की गयी है और वहां वालेंटियरों की नियुक्ति की गयी है। मनोरंजन हेतु 28 फरवरी को सांयकाल 06 बजे से दायरास जादू बस्तर की प्रस्तुति एवं 01 मार्च को स्थानीय कार्यक्रम, अबुझमाड़ मल्लखंब, ड्रोन शो और पद्मश्री अनुज शर्मा की लाइव प्रस्तुति दी जाएगी।

इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ आकांक्षा शिक्षा खलखो, अपर कलेक्टर बीरेन्द्र बहादुर पंचभाई, संयुक्त कलेक्टर जय उरांव, सहायक आयुक्त राजेन्द्र सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार निषाद, उप संचालक पंचायत विक्रम बहादुर, पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन अभियंता संजय चौहान, पीएमजेएसवाई के विनय वर्मा सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में फैसिलीटेशन काउन्सिल की हुई बैठक

18 संदर्भों के पक्षकारों के मध्य सुलह से 73.48 लाख का किया गया भुगतान

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, मण्डलायुक्त अटल कुमार राय की अध्यक्षता में सूक्ष्म, एवं लघु उद्यमों के भुगतान सम्बन्धी व्यवसायिक विवादों के निस्तारण हेतु राज्य सरकार द्वारा गठित मण्डलीय सूक्ष्म एवं लघु उद्यम फैसिलीटेशन काउन्सिल की सुलह बैठक आहूत की गयी। इस संदर्भ में 27 फरवरी को सुलह बैठक में 41 सन्दर्भों में सुलह के प्रयास किये गये। काउन्सिल द्वारा 08 सन्दर्भों के पक्षकारों के मध्य सुलह से 26.96 लाख रूपये का भुगतान कराया गया। 28 फरवरी को सम्पन्न काउन्सिल की आब्रीटेशन बैठक में कुल 17 सन्दर्भों में सुनवाई की गयी, जिनमें से सूक्ष्म एवं लघु उद्यमकर्ताओं के कुल 10 सन्दर्भों में बकाया मूलधन रूपया 46.52 लाख पर चक्रवृद्धि ब्याज सहित भुगतान के एवार्ड/आदेश निर्गत किये जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में सदस्य-सचिव एवं संयुक्त आयुक्त उद्योग श्रीमती अन्जू रानी, सदस्य एवं प्रतिनिधि लघु उद्योग भारती अनुपम गुप्ता, सदस्य एवं प्रतिनिधि आई0आई0ए0 प्रमोद मिगलानी, अग्रणी जिला बैंक प्रबन्धक प्रवीण जमुआर उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एनएमएनएफ योजनान्तर्गत जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति की हुई बैठक

50 हेक्टेयर का होगा कलस्टर, कम से कम 125 अन्नदाता होंगे शामिल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में नेशनल मिशन आन नेचुरल फार्मिंग की जिला कार्यक्रम समिति की बैठक आहूत की गई। बैठक में जनपद में 20 कलस्टर नेचुरल फार्मिंग के विकसित करने की कार्य योजना पास की गई जिसकी लागत 279 लाख रुपए है जो 2 साल में पूर्ण की जानी है। प्रत्येक कलस्टर 50 हेक्टेयर का होगा जिसमें कम से कम 125 किसान शामिल होंगे। यह योजना सढौली कदीम, नागल और पुंवारका विकासखंड में संचालित की जाएगी। नेचुरल फार्मिंग योजना के अंतर्गत किसानों को गौ आधारित खेती करने के बारे में जानकारी दी जाएगी और उनके उत्पादों का सर्टिफिकेशन कराया जाएगा तथा मार्केटिंग की व्यवस्था भी कराई जाएगी। यह योजना किसानों को जहां लागत कम करने में सहयोग करेगी वहीं उत्तम क्वालिटी के उत्पाद को अधिक धनराशि प्राप्त करके आय बढ़ाने में भी सहयोग करेगी। योजना में उन्हीं किसानों का चयन किया जाएगा जिनके पास देसी गाय होगी।जिलाधिकारी मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि कृषि विज्ञान केंद्र की मुख्य भूमिका होगी। उनके द्वारा सही तरीके से एक मॉडल अपने कृषि विज्ञान केंद्र पर विकसित किया जाना होगा तथा कृषि सखियां जिनके माध्यम से यह कार्य योजना संचालित की जानी है इनको भी प्राकृतिक खेती में अच्छी तरह से दक्ष करना होगा जिससे कि यह अपने-अपने क्लस्टर में प्राकृतिक खेती के बारे में किसानों को सही से गाइड कर सकें। योजना के माध्यम से देसी गायों का अधिक से अधिक लाभ इन क्लस्टर में देना होगा। उन्होंने मंडी को भी निर्देशित किया कि इन क्लस्टर से उत्पादित सामान की ब्रांडिंग करते हुए इनको मार्केट उपलब्ध कराने में सहयोग करेंगे। इस प्रकार से कृषि विभाग के निर्देशन में यह योजना अगले दो वर्षों में मुख्य विकासखंड सढौली पुंवारका और नागल में संचालित की जाए। जिला समिति द्वारा जनपद हेतु 20 क्लस्टर में संचालित करने हेतु नेचुरल फार्मिंग की 2 वर्षों के हेतु 279 लाख की कार्य योजना अनुमोदित की गई।

बैठक में उपनिदेशक कृषि डॉक्टर राकेश कुमार, जिला कृषि अधिकार कपिल मावी, डीसी एनआरएलएम इंद्र कुमार यादव, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी मदनपाल, मंडी सचिव सुमन भारती, जिला उद्यान अधिकारी गमपाल सिंह, पीडी आत्मा रविंद्र बरनबाल कृषि विज्ञान केंद्र से डॉक्टर मनोज कुमार और प्रगतिशील कृषक सुरेंद्र उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा

झंडा फहराते समय जनपदवासी भारतीय ध्वज संहिता का पालन करें सुनिश्चित

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि भारत का राष्ट्रीय ध्वज, भारत के लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतिरूप है। यह हमारे राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है और सबके मन में राष्ट्रीय ध्वज के लिए प्रेम, आदर और निष्ठा है। यह भारत के लोगों की भावनाओं और मानस में एक अद्वितीय और विशेष स्थान रखता है। डीएम मनीष बंसल ने भारतीय झंडा संहिता, 2002 में निहित मुख्य दिशा निर्देश बताते हुए कहा कि भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण, प्रयोग, संप्रदर्शन, राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 और भारतीय ध्वज संहिता, 2002 द्वारा नियंत्रित है। भारतीय झंडा संहिता, 2002 में निहित दिशा-निर्देश के अनुसार भारतीय झंडा संहिता 2002 को 30 दिसम्बर 2021 के आदेश द्वारा संशोधित किया गया और पॉलिएस्टर के कपडे से बने एवं मशीन द्वारा निर्मित राष्ट्रीय ध्वज की अनुमति दी गई। अब व्यवस्था है कि भारत का राष्ट्रीय ध्वज हाथ से काते गए और हाथ से बुने हुए या मशीन द्वारा निर्मित सूती, पॉलिएस्टर, ऊनी, सिल्क, खादी के कपडे से बनाया गया हो।जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बताया कि जनता का कोई भी व्यक्ति, कोई भी गैर-सरकारी संगठन और कोई भी शिक्षा संस्था राष्ट्रीय झंडे को सभी दिनों और अवसरों, औपचारिकताओं या अन्य अवसरों पर फहरा, प्रदर्शित कर सकता है, बशर्ते राष्ट्रीय झंडे की मर्यादा और सम्मान का ध्यान रखा जाए। भारतीय झंडा संहिता 2002 को 20 जुलाई 2022 के आदेश द्वारा संशोधित किया गया एवं भारतीय झंडा संहिता के भाग दो के पैरा 2.2 की धारा 11 के अनुसार जहाँ झंडे का प्रदर्शन खुले में किया जाता है या जनता के किसी व्यक्ति द्वारा घर पर प्रदर्शित किया जाता है वहां उसे दिन एवं रात में फहराया जा सकता है। राष्ट्रीय झंडे का आकार आयताकार होगा। यह किसी भी आकार का हो सकता है परन्तु झंडे की लम्बाई और चौडाई का अनुपात 3:2 होगा।

जब कभी राष्ट्रीय झंडा फहराया जाए तो उसकी स्थिति सम्मानजनक और पृथक होनी चाहिए। फटा हुआ और मैला-कुचैला झंडा प्रदर्शित नहीं किया जाए। झंडे को किसी अन्य झंडे अथवा झंडों के साथ एक ही ध्वज-दंड से नहीं फहराया जाए। संहिता के भाग 3 की धारा 9 में उल्लिखित गणमान्यों जैसे राष्ट्रपति, उप-राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल आदि के सिवाय झंडे को किसी वाहन पर नहीं फहराया जाएगा। किसी दूसरे झंडे या पताका को राष्ट्रीय झंडे से ऊँचा या उससे ऊपर या उसके बराबर में नहीं लगाना चाहिए। अधिक जानकारी के लिए राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम 1971 और भारतीय झंडा संहिता 2002 गृह मंत्रालय की वेबसाइट www.mha. gov.in पर उपलब्ध है।

होटल के सामनें से दो पहिया वाहन चोरी के आरोपी को 24 घंटे के अंदर किया गिरफतार

आरोपी से 01 दो पहिया वाहन कीमती 80 हजार रूपये का बरामद।
24 घण्टे के अंदर की गई त्वरित कार्यवाही से मिली सफलता

पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर राजेश व्यास द्वारा बताया गया कि अनिल पिता भारतसिह सस्तिया जाति भीलाला उम्र 24 साल निवासी उमराली पटेल फलिया ने थाना बखतगढ पर रिपोर्ट दर्ज करवायी, कि अम्बिका ढाबे पर खाना खाने के लिये रूके व मोटर सायकल को ढाबे के सामने खडी की और ढाबे पर खाना खानें लगे। खाना खानें के पश्चात फरियादी व उसके काका का लडका मुकेश बाहर आये तो देखा की ढाबे के सामनें रखी मोटर सायकल हिरो स्पलेण्डर किमती 90,000 की वहां पर नही थी। फरियादी की सूचना पर थाना बखतगढ में पर अपराध क्रमांक 21/27.02.2025 धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता का पंजीबद्ध किया गया । अपराध आम रोड पर होनें की गंभीरता को देखते हुए अनुविभागीय अधिकारी अनुभाग अलीराजपुर अश्विनी कुमार के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी बखतगढ निरीक्षक आशा बामनिया के निर्देशन में टीम गठीत की गई । उक्त टीम के द्वारा वाहन चोरी की वारदात को गंभीरता से लेते हुये छकतला, बखतगढ एवं उमराली क्षैत्रान्तर्गत मुखबीर के माध्यम से लगातार कार्यवाही कि गई, जिसके परिणामस्वरूप दिनांक 28.02.2025 को चौकी प्रभारी छकतला उप निरीक्षक राहुल को मुखबीर से वाहन चोरी की वारदात करनें वाले अज्ञात आरोपी के बारे मे सूचना प्राप्त हुई। सूचना पर उनि राहुल चौहान की टीम के द्वारा ग्राम गोगलपुर उमराली के राजु ऊर्फ राजेश पिता केमता तोमर 27वर्ष से सख्ती से पूछताछ करते उसके द्वारा वाहन चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार करनें पर आरोपी को गिरफतार कर उसके कब्जे से सीडी डीलक्स वाहन कीमती 80 हजार रूपये का बरामद करनें मे सफलता प्राप्त हुई है।

धार भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती के प्रथम आगमन भाजपा एक मंच पर

कार्यकर्ता सम्मेलन में केंद्रीय राज्य मंत्री ठाकुर व पूर्व मंत्री दत्तीगांव भी हुए शामिल

धार । भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त धार जिलाध्यक्ष महंत निलेश भारती जिलाध्यक्ष बनने के बाद पहली बार बदनावर क्षेत्र के दौरे पर आए। पहली बार आगमन पर यहां बड़ी चौपाटी स्थित करिश्मा पैलेस पर कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सांवित्री ठाकुर व पूर्व कैबिनेट मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव मुख्य अतिथि रूप में मंचासीन थे। कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश मंत्री जयदीप पटेल, भाजपा के ग्रामीण जिलाध्यक्ष चंचल पाटीदार, पूर्व विधायक खेमराज पाटीदार, नगर परिषद अध्यक्ष मीना यादव, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज सोमानी, पूर्व राज्यमंत्री राजेश अग्रवाल व महेंद्रसिंह पिपलीपाडा, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष जहांगीर लाला, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रह्लाद सिंह सोलंकी, भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा, पिछड़ा वर्ग मोर्चे के प्रदेश सहमीडिया प्रभारी नरेंद्र राठौड आदिवासी नेता दिनेश गिरवाल, भाजपा नेता कुलदीप सिंह पिपलीपाडा आदि नेता मंचासीन थे। स्वागत भाषण भाजपा के ज़िला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा ने दिया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की पूजा अर्चना के बाद हुई। भाजपा के नगर मंडल अध्यक्ष प्रीतेश सिंह पंवार, बखतगढ़ मंडल अध्यक्ष संजयसिंह मुंगेला, ग्रामीण अध्यक्ष गोविंद रघुवंशी, बिड़वाल मंडल अध्यक्ष संतोष ढोलकिया, कानवन मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ व सादलपुर मण्डल अध्यक्ष मुन्नालाल पटेल ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री राजवर्धनसिंह दत्तीगांव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक कार्यकर्ता आधारित दल है। हम सभी को संगठित होकर अपने बूथ की मजबूती के लिए प्रयास करना चाहिए। भाजपा के सभी कार्यकर्ता एकजुटता के साथ काम करें व शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर घर तक पहुंचाएं। कार्यकर्ता ही पार्टी की असली पूंजी व नींव है। उनके सम्मान में कभी कमी नही आने देंगे। नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष निलेश भारती ने कहा कि भाजपा पार्टी कार्यकर्ताओ का संगठन है। कार्यकर्ताओ की भावनाओं के अनुरूप ही संगठन में दायित्त मिलता है। पार्टी जो काम सोपे उनका सक्रियता से निर्वहन करें। छोटे कार्यकर्ताओ को आगे कैसे बढ़ाया जाए। यह भाजपा पार्टी सोचती है। सामान्य परिवार का कार्यकर्ता आज जिलाध्यक्ष बनकर बैठा। यह सब जमीनी कार्य करने के कारण ही संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता सोशल मीडिया पर हमेशा सक्रिय रहे। अगर कांग्रेस के लोग बेबुनियाद व झूठी पोस्ट या पार्टी नेताओं के खिलाफ झूठी पोस्ट डाले तो उनका मुहतोड़ जवाब दे। निलेश भारती ने कहा कि छोटे से छोटे कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाने वाली भाजपा पार्टी है भाजपा कार्य पद्धति से भाजपा को विश्व में नंबर वन बनाया और यह संभव देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हुआ। भाजपा के हर एक कार्यकर्ताओं को जिला संगठन में मान सम्मान और कार्य मिलेगा हर काम के लिए एक कार्यकर्ता होगा। भाजपा के सामान्य कार्यकर्ता को जिले के अध्यक्ष पद पर मौका देना यह सिर्फ भाजपा में संभव है। कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि भाजपा के बूथ स्तर से जिला स्तर तक के कार्यकर्ता केंद्र सरकार और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार आमजन में करना चाहिए। बदनावर में विकसित हों रहा पीएम मित्रा पार्क बदनावर की पहचान विश्व पटल पर अंकित करेगा। बदनावर बदल रहा है। यह सब भाजपा सरकार के शासन में ही संभव हो पाया। कार्यक्रम को ग्रामीण जिलाध्यक्ष चंचल पाटीदार समेत अन्य अतिथियों ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र जाट ने किया। आभार नगर मण्डल अध्यक्ष प्रितेशसिंह पंवार ने माना। कार्यक्रम में विधानसभा क्षेत्र के सभी 6 मंडलों से आए पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

जिलाध्यक्ष भारती का रास्तेभर किया स्वागत इसके पहले जिलाध्यक्ष भारती काफिले के साथ सादलपुर से रवाना हुए। जो खेरोद माकनी, नागदा, कानवन, घटगारा, पिटगारा होते हुए पेटलावद रोड से नगर में प्रवेश किया। यहां बेजनाथ महादेव मंदिर पहुंचकर दर्शन किए। इसके बाद युवा मोर्चे के नेतृत्व में वाहन रैली शुरू हुई। जो कार्यक्रम स्थल पहुंची। जिलाध्यक्ष भारती का रास्तेभर स्वागत किया गया। नवनियुक्त भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती के बदनावर प्रथम आगमन पर भाजपा नेताओं ने एक मंच से स्वागत किया। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

शांति और सदभाव के साथ मनाएं सभी त्योहार - एसडीएम सत्येंद्र बेरवा

खरगोन कसरावद – आपसी भाईचारा शांति एवं सदभाव के साथ पारंपरिक ढंग से होली के साथ सभी त्योहार मनाए जाएं । एसडीम सत्येंद्र बैरवा की अध्यक्षता में पुलिस थाना परिसर में शुक्रवार को शांति समिति की बैठक में होली, रमजान, रंग पंचमी, त्योहारों को ध्यान में रखकर चर्चा हुई । त्योहारों को लेकर नगर में साफ सफाई करने की समुचित व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने की बात हुई। अधिकारियों ने नागरिकों से पूछा कि नगर में कितने स्थानों पर होलिका दहन होता है। अधिकारियों ने कहा की त्योहारों के दौरान बच्चों की परीक्षाएं संचालित रहेगी इसको ध्यान में रखकर ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग निर्धारित समय में धीमी गति के साथ किया जाए। बैठक में

शांति समिति के सदस्यों ने अपने महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए जिनको गंभीरता से सुनकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

बिना अनुमति के ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश

खरगोन कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी भव्या मित्तल ने जिले के सभी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं थाना प्रभारियों को निर्देशित किया है कि परीक्षाओं को देखते हुए बिना अनुमति के ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग किए जाने पर सख्त कार्यवाही करें। इस संबंध में दिए गए निर्देश में कहा गया है कि वर्तमान में माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल के द्वारा हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल बोर्ड की परीक्षायें जारी है। जिसके दौरान ध्वनि विस्तारक यंत्रों, लाउड स्पीकर एवं डी.जे. इत्यादि के उपयोग से बच्चो की पढाई में व्यवधान उत्पन्न हो रहा है। त्यौहारों एवं विवाह आयोजनों के दौरान विवाह स्थलों रिसोर्ट/गार्डन, धार्मिक एवं सामाजिक स्थानों पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों, लाउड स्पीकर एवं डी.जे. इत्यादि के उपयोग पर नियंत्रण के लिए 14 फरवरी 2025 को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है। ध्वनि विस्तारक यंत्रों, लाउड स्पीकर एवं डी.जे. इत्यादि के अनियंत्रित एवं नियम विरूद्ध प्रयोग पर नियंत्रण एवं कार्यवाही के लिए थाना क्षेत्र खरगोन एवं मेनगांव में प्रतिदिन दिवस आदेश के पालन करवाने एवं निरीक्षण हेतु कार्यपालिक दंडाधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। उक्तानुसार कार्यपालिक दण्डाधिकारी नियमित एवं आकस्मिक रूप से निर्धारित उपकरणों के साथ त्यौहारों एवं विवाह आयोजनों के दौरान विवाह स्थलों रिसोर्ट/गार्डन, धार्मिक एवं सामाजिक स्थानों पर औचक निरिक्षण कर जहां ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग होता हो तथा प्राप्त शिकायतों की आकस्मिक जांच की जाकर निर्देशानुसार यथोचित कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करेंगे। अनुविभागीय दण्डाधिकारी (समस्त) एवं अनुविभागीय अधिकारी (पु.) अपने अपने अनुभाग क्षेत्र में उक्त कार्यवाही के प्रभारी रहेंगे।

ग्रासिम द्वारा सफल स्वास्थ्य शिविर

ग्रामीणों को मिली बेहतर नि :शुल्क चिकित्सा सुविधाएँ

उज्जैन

ग्रेसिम के सहयोग से बाएफ लाइवलीहुड्स द्वारा संचालित समुत्थानशील एवं सतत् कृषि विकास कार्यक्रम (आरएसएडीपी) के अंतर्गत ग्राम भीलसुडा़ में नि:शुल्क नेत्र एवं सामान्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 116 मरीजों (61 पुरुष एवं 55 महिलाएं) का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए महत्वपूर्ण परामर्श दिए गए।

इन्दु भाई पारेख मेमोरियल अस्पताल के विशेषज्ञों द्वारा स्वास्थ्य सेवाएँ एवं परामर्श ¬

1. नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. ज्योति बाला पांडे ने मरीजों की आंखों की जांच कर आवश्यक परामर्श और उपचार दिया।
2. डॉ. संदीप पाटीदार (एम.बी.बी.एस.) ने सामान्य चिकित्सा परामर्श और प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया।
3. समन्वयक धर्मेंद्र पंचाल ने आयोजन को सुचारू रूप से संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।नर्सिंग स्टाफ लोकेंद्र सिंह एवं कविता ने मरीजों की प्रारंभिक जांच, ब्लड प्रेशर, शुगर और अन्य स्वास्थ्य परीक्षण किए।

शिविर की प्रमुख विशेषताएँ: 1. नेत्र परीक्षण एवं उपचाररू मरीजों की मुफ्त नेत्र जांच की गई, जिसमें मोतियाबिंद एवं दृष्टि संबंधी अन्य समस्याओं की पहचान की गई। 2. सामान्य स्वास्थ्य जांचरू ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, बुखार, सर्दी-खांसी, त्वचा रोग और अन्य सामान्य बीमारियों की जाँच की गई। 3. नि:शुल्क परामर्श एवं दवा वितरणर ¬ रोगियों को उनकी स्थिति के अनुसार आवश्यक दवाएँ नि:शुल्क प्रदान की गईं।

शिविर की सफलता में योगदान: इस आयोजन की सफलता में चिकित्सा दल, बाएफ लाइवलीहुड्स के प्रोजेक्ट लीडर शुभम ढुंढेले, लोकेन्द्र सिंह राजपूत, नीरज सिलावट और स्थानीय ग्रामवासियों का सहयोग अत्यंत सराहनीय रहा । उक्त शिविर ग्रेसिम के सीएसआर प्रमुख सतीश भुविर, प्रबन्धक अरविन्द सिंह सिकरवार तथा बाएफ लाइवलीहुड्स के रीजनल इंचार्ज जे.एल. पाटीदार के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। क्षेत्र में इस प्रकार के महत्वपूर्ण स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन हेतु बाएफ के झांझाखेड़ी किसान उत्पादक संगठन के अध्यक्ष विक्रम सिंह आंजना तथा उपाध्यक्ष शोभाराम गुर्जर द्वारा अपने सदस्य किसानों की ओर से ग्रेसिम एवं बाएफ लाइवलीहुड्स का आभार व्यक्त किया ।

वित्तीय साक्षरता सप्ताह अंतर्गत ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान आरसेटी देवास में शिविर का आयोजन हुआ

ऑनलाइन साइबर फ्रॉड से बचाव, सामाजिक सुरक्षा बीमा, अटल पेंशन योजना तथा बैंक द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी

देवास अग्रणी बैंक प्रबंधक देवास श्री एहसान एहमद ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 24 से 28 फरवरी तक वित्तीय साक्षरता सप्ताह मनाया गया। वित्तीय साक्षरता सप्ताह के तहत लीड बैंक देवास द्वारा ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान आरसेटी देवास में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में महिलाओं को वित्तीय साक्षरता, बैंकिंग का महत्व बताया गया। महिलाओं को ऑनलाइन साइबर फ्रॉड से बचाव, सामाजिक सुरक्षा बीमा, अटल पेंशन योजना तथा बैंक द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। श्री एहसान एहमद ने बताया कि आरबीआई के वित्तीय साक्षरता सप्ताह की इस वर्ष की थीम वित्तीय समावेशन में प्रमुख हितधारकों के रूप में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। भारतीय रिज़र्व बैंक की अग्रणी जिला अधिकारी श्रीमति रौशनी हज़ेला ने उपस्थित महिलाओं से संवाद किया। कार्यक्रम में बचत के महत्व और ताकत को समझाया। कार्यक्रम में निदेशक आरसेटी श्री राजवीर सिंह, जिला परियोजना प्रबंधक आजीविका मिशन सुश्री शीला शुक्ला एवं आरसेटी स्टाफ़

सहित अन्य संबंधित उपस्थित थे।

राजस्व प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करें और राजस्व वसूली बढ़ाएं

कलेक्टर श्री सिंह ने सभी राजस्व अधिकारियों को दिए निर्देश

हरदा कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने जिले के सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सीमांकन, नामांतरण, बटवारा और बटांकन के मामलों का त्वरित निराकरण करें तथा राजस्व वसूली बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि सभी राजस्व अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र के बड़े बकायादारों से पहले वसूली करते हुए 卐वसूली अभियान卐 शुरू करें । बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्री सतीश राय के साथ-साथ हरदा एसडीएम श्री कुमार शानू देवड़िया तथा खिरकिया एसडीएम श्री अशोक डेहरिया सहित अन्य तहसीलदार व नायब तहसीलदार भी मौजूद थे । कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लिए हितग्राहियों के ईट्ठकेवाईसी की कार्यवाही शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी राजस्व अधिकारी अपने-अपने न्यायालयों का निरीक्षण तो करें ही, साथ ही अपने अधीनस्थ न्यायालयों का भी आकस्मिक निरीक्षण करें। उन्होंने सभी एसडीएम और तहसीलदारों को निर्देश दिए कि अपने अपने क्षेत्र के ग्रामों का नियमित रूप से दौरा करें और अधीनस्थ अधिकारी कर्मचारियों के कार्यों पर नजर रखें। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी राजस्व अधिकारियों को फार्मर

रजिस्ट्री का शेष कार्य 15 मार्च तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने हंडिया तहसीलदार श्री वीरेंद्र उईके को मुख्यालय हंडिया में ही निवास करने के लिए कहा। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि फसल कटाई के तत्काल बाद चरनोई की भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए विशेष अभियान प्रारंभ करें तथा खेतों की ओर जाने वाले रास्तों से अतिक्रमण हटाकर रास्ता खुलवाए। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों के त्वरित निराकरण के संबंध में भी निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी राजस्व अधिकारियों से कहा कि लोक सेवा गारंटी अधिनियम की समय सीमा का ध्यान रखते हुए राजस्व प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करें, अन्यथा अर्थदंड लगाने की कार्यवाही की जा सकती है। उन्होंने सभी एसडीएम को अपने-अपने मुख्यालय पर अनुश्रवण समितियों की बैठक नियमित रूप से आयोजित करने के लिए भी कहा।

विकासखंड स्तरीय परिचर्चा की गई आयोजित

झाबुआ

विकासखंड झाबुआ में जिला झाबुआ कलेक्टर नेहा मीना के निर्देश एंव आदेशानुसार डूंगर बाबा नी जड़ी बूटी नू जोवनार (झाबुआ के आदिवासी आयुर्वेद /औषधि के ज्ञान को संजोने का एक प्रयास) के विषय पर जानकारों की कार्यशाला/ परिचर्चा जिला आयुष अधिकारी डॉ प्रमिला चौहान आयुष विभाग जिला झाबुआ एंव मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री भीमसिंह डामोर के मार्गदर्शन मे जनपद पंचायत झाबुआ के सभा कक्ष में डूंगर बाबा नी जड़ी बूटी नो जोवनार विकासखंड स्तरीय परिचर्चा कार्यक्रम अयोजित कि गयी। जिसमें सर्व प्रथम भगवान धन्वंतरी पर माल्यार्पण एवं दीपक जलाकर शुभारंभ किया गया । जिला आयुष अधिकारी ने सभी जंगली ज़डी बुटी के महत्व के संबंध में जानकारी दी गयी।एंव सभी का अभिवादन किया गया। तत्पश्चात जिला समन्वयक झाबुआ श्री भीमसिंह डामोर सर ने इस कार्यक्रम की रूप रेखा तथा आगामी दिनों में होने वाले कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी गयी। उक्त कार्यक्रम में ज़डी बुटी के अनुभवी जानकारों ने बहुत उत्साह से सहभागिता की तथा सभी ने अपने अपने ज्ञान को सभी के सामने बताया एंव साथ ही आयुष विभाग की टीम तथा मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड समन्वयक श्री तोलिया डामोर एवं परिषद् की समस्त नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि आदि उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन आयुष विभाग से एवं इस अभियान के नोडल डॉ नवीन वर्मा ने किया।

शांति और सदभाव के साथ मनाएं सभी त्योहार - एसडीएम सत्येंद्र बेरवा

खरगोन कसरावद – आपसी भाईचारा शांति एवं सदभाव के साथ पारंपरिक ढंग से होली के साथ सभी त्योहार मनाए जाएं । एसडीम सत्येंद्र बैरवा की अध्यक्षता में पुलिस थाना परिसर में शुक्रवार को शांति समिति की बैठक में होली, रमजान, रंग पंचमी, त्योहारों को ध्यान में रखकर चर्चा हुई । त्योहारों को लेकर नगर में साफ सफाई करने की समुचित व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने की बात हुई। अधिकारियों ने नागरिकों से पूछा कि नगर में कितने स्थानों पर होलिका दहन होता है। । बैठक में

शांति समिति के सदस्यों ने अपने महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए जिनको गंभीरता से सुनकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

वाटरशेड यात्रा के अंतर्गत ग्राम पंचायत उदपुरा में भव्य किसान सम्मेलन व कलश यात्रा का आयोजन किया गया

मंदसौर प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत वाटरशेड यात्रा अभियान अंतर्गत ग्राम ऊदपुरा में वाटरशेड योजना के माध्यम से आयोजित जल से धन्य धान्य यात्रा के अंतर्गत तारकेश्वर मंदिर उदपुरा से गांव की मातृशक्तियों द्वारा जल के कलश भर के बैंड बाजा की धुन के साथ जल बचाने हेतु कलश यात्रा निकाली गई, इस अवसर पर वाटरशेड रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, कलश यात्रा के समापन के पश्चात वाटरशेड अभियान यात्रा के अंतर्गत ग्राम ऊदपुरा माध्यमिक विद्यालय परिसर में एक विशाल किसान सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान राजेश दीक्षित, जनपद अध्यक्ष बसंत शर्मा, जिला एवं जनपद पंचायत सदस्य, सहित जन प्रतिनिधि मौजूद थे। यात्रा के माध्यम से ग्रामीण जनों से आह्वान किया कि जो वर्षा का जल भरकर नदियों के माध्यम से समुद्र में पहुंच जाता है तो वर्षा का जल का संरक्षण करने के लिए वाटरशेड के माध्यम से कंटूर ट्रेच परकोंलेशन टैंक तालाब छोटे-छोटे स्टाप डैम के माध्यम से वर्षा जल का संरक्षण किया जाए एवं उसे धरती में समाहित किया जाए ताकि पानी का जल स्तर बड़े। राजेश दीक्षित ने सभी से आह्वान किया कि भारत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री हर खेत को पानी और हर हाथ को काम देने के संकल्प प्रतिबद्ध है उसी को लेकर प्रधानमंत्री की सिंचाई योजना के अंतर्गत हर खेत को पानी मिले इसके लिए वर्षा जल संरक्षण हेतु वाटरशेड अभियान यात्रा के माध्यम से जनता में जन जागरूकता फैलाकर वर्षा जल संरक्षण का आह्वान किया एवं शपथ दिलाई गई। जनपद अध्यक्ष बसंत शर्मा ने भी सभी को संबोधित करते हुए युवा पीढ़ी से आग्रह किया की वर्षा जल को बचाने के लिए छत का पानी भी जमीन में उतारने के लिए तथा जो छोटे-छोटे नदी नाले हैं उनको रोककर पानी को जमीन में संरक्षण किया जाए ताकि आने वाली पीढ़ी को मरुस्थल नहीं मिले। चारों तरफ हरियाली हो एवं युवाओं से आव्हान किया अगर कहीं भी प्लास्टिक या कचरा दिखाई दे तो उसको उठाएं यह अपना अच्छे नागरिक होने का कर्तव्य का पालन करें। कार्यक्रम का संचालन लाल बहादुर श्रीवास्तरव ने किया।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति, दिशा की बैठक 5 मार्च को

मंदसौर - अपर कलेक्टर (विकास) अनुकूल जैन द्वारा बताया गया कि भारत सरकार, ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली के निर्देशानुसार 05 मार्च 2025 को प्रात: 10.00 बजे सांसद सुधीर गुप्ता की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभागृह, मंदसौर में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित होगी।

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो इंदौर द्वारा सिंथेटिक एवं प्राकृतिक मादक पदार्थों, नवीन संशोधन एवं गाइडलाइन के बारे में

मंदसौर- नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो इंदौर द्वारा जिला पुलिस कंट्रोल रूम मंदसौर पर जिले के पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों को सिंथेटिक एवं प्राकृतिक मादक पदार्थों, नवीन संशोधन एवं गाइडलाइन के बारे में जानकारी देने हेतु कार्यशाला आयोजित की गई। शुक्रवार दिनांक 28.02.25 को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो इंदौर द्वारा जिले के पुलिस अधिकारी/ कर्मचारियों को सिंथेटिक एवं प्राकृतिक ड्रग के अलग अलग बदलते स्वरूप की पहचान करने एवं एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों एवं नवीन संशोधन एवं गाइडलाइन के बारे में जानकारी जिले के पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों को दी गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गौतम सोलंकी, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अधिकारी इंस्पेक्टर विजयराज एवं सब इंस्पेक्टर राजेंद्र प्रजापत समेत जिले के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत 8 मार्च को बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरण में करायें समझौता : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

मंदसौर - आगामी 08 मार्च 2025 (शनिवार) को नेशनल लोक अदालत में बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरण को आपसी समझौतो से निराकृत किया जाएगा। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने विद्युत अधिनियम 2003 धारा 135 के अंतर्गत न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए विद्युत उपभोक्ताओं एवं उपयोगकर्ताओं से अपील की है कि वे अप्रिय कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए अदालत में समझौता करने के लिए संबंधित बिजली कार्यालय से संपर्क करें। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि धारा 135 के अंतर्गत अदालत में लंबित प्रकरणों का निराकरण करने के लिये निम्न दाब श्रेणी के समस्त घरेलू, समस्त कृषि, 5 किलोवॉट तक के गैर घरेलू एवं 10 अश्व शक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को प्रकरणों में ही छूट दी जाएगी। प्रि-लिटिगेशन स्तर पर कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं आकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात् प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। लिटिगेशन स्तर पर कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात् प्रत्येक छःमाही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी।

लोक अदालत में छूट नियम एवं शर्तों के तहत दी जाएगी आवेदक को निर्धारित छूट के उपरांत शेष बिल आकलित सिविल दायित्व एवं ब्याज की राशि का एकमुश्त भुगतान करना होगा। उपभोक्ता/उपयोगकर्ता को विचाराधीन प्रकरण वाले परिसर एवं अन्य परिसरों पर उसके नाम पर किसी अन्य संयोजन/संयोजनों के विरूद्ध विद्युत देयकों की बकाया राशि का पूर्ण भुगतान भी करना होगा। आवेदक के नाम पर कोई वैध कनेक्शन न होने की स्थिति में छूट का लाभ प्राप्त करने के लिये आवेदक द्वारा वैध कनेक्शन प्राप्त करना एवं पूर्व में विच्छेदित कनेक्शनों के विरूद्ध बकाया राशि (यदि कोई हो) का पूर्ण भुगतान किया जाना अनिवार्य होगा। नेशनल लोक अदालत में छूट आवेदक द्वारा विद्युत चोरी/अनधिकृत उपयोग पहली बार किये जाने की स्थिति में ही दी जाएगी। विद्युत चोरी/अनधिकृत उपयोग के प्रकरणों में पूर्व की लोक अदालत/अदालतों में छूट प्राप्त किये उपभोक्ता/उपयोगकर्ता छूट के पात्र नहीं होंगे। सामान्य बिजली बिलों में जुड़ी बकाया राशि पर कोई छूट नहीं दी जाएगी। नेशनल लोक अदालत में दी जा रही छूट आंकलित सिविल दायित्व राशि 10 लाख रूपये तक के प्रकरणों के लिए सीमित रहेगी। यह छूट मात्र नेशनल ''लोक अदालत'' 8 मार्च 2025 को समझौते करने के लिये ही लागू रहेगी।

शामगढ़ तहसील का डूंगर खेड़ी में बिजली विभाग की लापरवाही के कारण एक महिला की करंट लगने से मौत,शव पीएम के लिये शामगढ़ स्वास्थ्य केंद्र लाया गया

महिला पशुओ के लिए चारा काट रही थी तभी बिजली पोल के पास लगी तार मे करंट आने से महिला की मौत हुई

मंदसौर- सुबह-सुबह मंदसौर जिले के शामगढ़ तहसील का डूंगर खेड़ी गांव में खेत के आसपास गौ माता के लिए चारा काटने गई एक बुजुर्ग माताजी को खेत में पड़े खुले विद्युत तारों की झपेट में आने से घटनास्थल पर मौत की खबर आ रही है। और खबर की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण जन मौके पर पहुंचे और तत्काल विद्युत विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों को सूचना दी गई इसके बाद पुलिस के द्वारा मौके पर पहुंचकर पंचनामा बनाया गया और महिला को पोस्टमार्टम के लिए शामगढ़ स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया और पुलिस के द्वारा इस मामले की जांच की जा रही है।

थाना शहर कोतवाली मंदसौर द्वारा अवैध मादक पदार्थ एम0डी0 ड्रग्स तथा डोडाचूरा का परिवहन करते तस्करों को किया गिरफ्तार

61 ग्राम MD ड्रग्स तथा 05 किलो 680 ग्राम डोडाचुरा के की तस्करी करते दो तस्कर गिरफ्तार, कुल 05 आरोपीगणों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध

मंदसौर- पुलिस अधीक्षक मंदसौर अभिषेक आनंद मार्गदर्शन में गौतम सोलंकी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंदसौर एंव सतनाम सिंह नगर पुलिस अधीक्षक मंदसौर के निर्देशन में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक पुष्पेन्द्र सिंह राठौर व उनकी टीम द्वारा दो तस्करो से अवैध मादक पदार्थ 61 ग्राम MD ड्रग्स तथा करीब 05 किलो डोडाचुरा जप्त किया गया।

घटना का संक्षिप्त विवरण - दिनांक 28.02.2025 को थाना कोतवाली पुलिस को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि पशुपतिनाथ कोर्ट रोड, सुलभ कॉम्पलेक्स के सामनें प्रकरण के आरोपीगणों द्वारा अवैध मादक पदार्थ रूा ड्रग्स तथा डोडाचुरा की तस्करी की जाने वाली है। उक्त मुखबीर सूचना पर से कार्यवाही करते हुए थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा एनडीपीएस एक्ट के आज्ञापक प्रावधानों का पालन करते हुए आरोपीगणों आसिफ पुतल्ला उर्फ बख्तावर पिता अब्दुल हक नियारगर तथा नन्दकिशोर पिता मोहनलाल फुलवानी को गिरफ्ता किया जाकर उनके कब्जे से के विरुद्ध अपराध अतंगर्त धारा 8/15,22,29 एन.डी.पी.एस. एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में गिरफ्तार आरोपीगणों से सख्ती से पुछताछ की जा रही है प्रकरण में नवीन तथ्यों के सामने आने पर तथा अन्य तस्करों के नाम बढने की संभावना है।

मंदसौर पुलिस नशे के सौदागरों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही हेतु प्रतिबद्ध है।

गिरफ्तार आरोपी- 01. आसिफ पुतल्ला उर्फ बख्तावर पिता अब्दुल हक नियारगर जाती मुल्तानी उम्र 26 साल निवासी रोशन कालोनी नाहर सैय्यद रोड मन्दसौर । 02. नन्दकिशोर पिता मोहनलाल फुलवानी उम्र 39 साल निवासी बसेर कालोनी मन्दसौर

जप्तशुदा माल 01. अवैध मादक पदार्थ 61 ग्राम रूा ड्रग्स किमती 610000/- रुपये । 02. अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा कुल 5 किलो 680 ग्राम किमती 52000/- रुपये।

सराहनीय कार्य- उक्त सराहनीय कार्य में निरीक्षक पुष्पेन्द्र सिंह राठौर थाना प्रभारी पुलिस थाना शहर कोतवाली मंदसौर, उ0नि0 विजय पुरोहित तथा थाना कोतवाली पुलिस टीम का सराहनीय योगदान रहा।

वन भूमि को निजी कंपनियों को देने का विरोधः 37 लाख हेक्टेयर बंजर भूमि पर 40 साल की लीज से जयस संगठन नाराज

वंही इंदौर के प्राध्यापकों के समर्थन में भी एक ज्ञापन दिया

धार- कलेक्ट्रेट में जयस संगठन ने शुक्रवार को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। मध्य प्रदेश सरकार के द्वारा 37 लाख हेक्टेयर बंजर वन भूमि को निजी निवेशकों को 40 साल की लीज पर देने के फैसले का विरोध जताया। जय आदिवासी युवा शक्ति (जयस) संगठन ने राज्यपाल मंगूभाई पटेल के नाम 10 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन धार तहसीलदार को सौंपा।

आदिवासी समुदाय के साथ अन्याय लगाया आरोप धार जयस संगठन के तहसील अध्यक्ष राज वसुनिया एवम् प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रविराज बघेल, सामाजिक कार्यकर्ता विजय सिंह चोपड़ा ने सरकार के इस फैसले का विरोध करते हुए, इसे तुरंत निरस्त करने की मांग की। उन्होंने कहा कि वन विभाग ने आजादी के बाद से ही अंग्रेजों की विस्तारवादी नीतियों को जारी रखा है। विभाग ने पिछले 75 सालों में जनजातीय समुदाय के साथ अन्याय किया है।

अनिश्चितकालीन आंदोलन और भूख हड़ताल की दी चेतावनी कार्यकर्तावो ने आरोप लगाया कि वन विभाग के अधिकारी धृतराष्ट्र की तरह आचरण कर रहे हैं और राज्य हित की अनदेखी कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर वनों के निजीकरण का प्रस्ताव वापस नहीं लिया गया, तो जयस अन्य आदिवासी संगठनों के साथ मिलकर प्रदेश भर में अनिश्चितकालीन आंदोलन और भूख हड़ताल करेगा। कार्यक्रम में प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रविराज बघेल, राज वसुनिया, विजय सिंह चोपड़ा, राकेश ठाकुर, देव मुकाती, सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

इंदौर के प्राध्यापकों के समर्थन में दिया ज्ञापन जयस संगठन कार्यकर्ताओं एवम् पदाधिकारियों ने इंदौर के होलकर महाविद्यालय में छात्रों द्वारा किए गए कृत्य के विरोध में एक ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में बताया गया कि कुछ छात्रों द्वारा महाविद्यालय के प्राध्यापकों को एक कमरे में बंद कर दिया गया था और उनके साथ कई प्रकार से जातति की गई थी। विद्युत सप्लाई तक भी बंद कर दी गई थी। घंटो कमरे में बंद रहने के बाद बड़ी मशक्कत के बाद प्राध्यापकों को बंद कमरे से बाहर निकल गया। इसके विरोध स्वरूप जयस कार्यकर्ताओं ने महामहिम राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन देकर इस प्रकार के कृत्य करने वाले छात्रों पर उचित कार्रवाई करने मांग की गई है।

खाद्य विभाग की अधिकारी को 40 हजार की रिश्वत लेते लोकायुक्त ने रंगे हाथों किया गिरफ्तार, धान खरीदी के एवज में मांगी थी घूस

सिवनी - लोकायुक्त महानिदेशक जयदीप प्रसाद के भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त कार्यवाही किए जाने के निर्देश पर लोकायुक्त जबलपुर की पुलिस टीम ने ट्रैप की बड़ी कार्रवाई की है। खाद्य विभाग की कनिष्ठ अधिकारी को 40 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। भ्रष्ट अधिकारी ने धान खरीदी के एवज में घूस की मांग की थी। दरअसल, कारीरात गांव के निवासी संत कुमार कनोजिया की पत्नी सीमा का आदर्श स्व सहायता समूह चलता है। जिसके जरिए धान खरीदी का संचालन किया गया था। उनकी राशन की दुकान है, जिसका निरिक्षण करने के लिए सिवनी में पदस्थ कनिष्ठ आपूर्ति ज्योति पटले गई थीं। इस दौरान उन्होंने राशन की दुकान की कमी पूर्ति करने और धान खरीदी में 50 पैसे प्रति क्विंटल के हिसाब से 40 हजार 73 हजार रुपए की मांग की थी। आवेदक ने इसकी शिकायत जबलपुर लोकायुक्त में की। जिसके बाद जाल बिछाकर शख्स को शुक्रवार को पैसों के साथ भेजा गया। ज्योति पटले ने सेल्समैन कैलाश सनोडिया को पैसे लेने के लिए कहा। जैसे ही हाथ में पैसे लिए, लोकायुक्त टीम ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। लोकायुक्त डीएसपी दिलीप झरबड़े ने बताया कि जिला आपूर्ति अधिकारी कार्यालय सिवनी में कार्रवाई हुई है। दोनों आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण संशोधन अधिनियम 2018 की धारा 7(सी) एवं 61(2) बी एन एस के अंतर्गत कार्यवाही की गई है।

महू के ग्रामीण क्षेत्रों में आलू चिप्स निर्माण से निकलने वाले पानी को लेकर फैलाई जा रही भ्रामक जानकारी का निर्माताओं ने किया खंडन

महू - तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित आलू चिप्स निर्माताओं द्वारा आलू चिप्स से निकलने वाले पानी को लेकर जो भ्रामक जानकारी फैलाई जा रही है, उसका खंडन करते हुए मीडिया के माध्यम से वास्तविकता पर प्रकाश डालते हुए अपना स्पष्टीकरण दिया है। ज्ञात है, कि अभी कुछ दिनों पहले समाचार पत्रों में खबर प्रकाशित हुई थी, कि आलू चिप्स निर्माण का गंदा पानी नाले में बह कर पर्यटक स्थल पाताल पानी के झरने में मिल रहा है। जिसके कारण बदबूदार गंदे पानी से झरने के साथ ही पाताल पानी पर्यटन स्थल की आबो हवा भी खराब हो रही है। इस संबंध में एसडीएम महू राकेश परमार ने चिप्स निर्माताओं के साथ एक बैठक रख कर रखी थी, जिसमें उन्होंने दूषित पानी को नाले में न छोड़ने एवम् उक्त गंदे पानी की उचित निकासी के निर्देश दिए थे। साथ ही दिए गए निर्देशों की अवहेलना पर कठोर कार्यवाही की भी चेतावनी दी थी। इस संबंध में चिप्स निर्माताओं का पक्ष जानने कुछ पत्रकार खुले स्थान पर किए जा रहे चिप्स निर्माण स्थल पर पहुंचे थे। जहां पर निर्माताओं ने चिप्स निर्माण की विधि को विस्तार पूर्वक बताते हुए स्पष्ट किया, कि चिप्स बनाने के दौरान खेतों के समीप से निकासी दी गई है, जहां पूरे रास्ते आलू छिलका रोकने के लिए जालियां लगाई गई है। इस दौरान जो भी वेस्ट इकट्ठा होता है उसे खेत में फसलों की पैदावार के लिए खाद के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। इससे फसलों को कोई नुकसान नहीं है। इसके साथ ही चिप्स में कैमिकल मिलाए जाने वाली बात पर उनके द्वारा बताया गया, कि चिप्स बनने के बाद उसका मैलापन हटाने के लिए फिटकरी और अन्य सामग्री उपयोग की जाती है, जो किसी भी दृष्टि से घातक नहीं है। मात्र तीन महीने चलने वाले इस आलू चिप्स निर्माण में काम करने वाले मजदूरों से जब मौके पर मिडिया कर्मियों ने बात की तो उन्होंने भी बदबू या स्वस्थ्य पर बुरे असर की कोई शिकायत नहीं की।

अमेरिकी पत्रकार ने जेलेंस्की को किया बेइज्जत

कहा- सूट क्यों नहीं पहनते, क्या आपके पास है भी? मिला शानदार जवाब

इंटरनेशनल डेस्क: अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के बीच ओवल ऑफिस में हुई मुलाकात के दौरान गरमागरम बहस देखने को मिली। लेकिन इस दौरान एक पत्रकार ने जेलेंस्की से ऐसा सवाल पूछ लिया, जिसने चर्चा को नया मोड़ दे दिया। अमेरिकी मीडिया नेटवर्क रियल अमेरिका वॉइस के चीफ व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट ब्रायन ग्लेन ने जेलेंस्की से पूछा-आप सूट क्यों नहीं पहनते? क्या आपके पास सूट है? कई अमेरिकी इस बात से नाराज हैं कि आप ऑफिस की गरिमा का सम्मान नहीं कर रहे। ग्लेन खुद नीले रंग का सूट पहने हुए थे, जबकि जेलेंस्की ने अपनी सामान्य सैन्य पोशाक पहनी हुई थी।

जेलेंस्की का मजेदार जवाब

जेलेंस्की ने इस सवाल को हल्के-फुल्के अंदाज में टालते हुए जवाब दिया-मैं यह युद्ध खत्म होने के बाद सूट पहनूंगा। शायद आपकी तरह का, या शायद उससे भी बेहतर... मुझे नहीं पता। हम देखेंगे। शायद कुछ सस्ता! ग्लेन ने इस बातचीत के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने लिखा-जेलेंस्की का पहनावा साफ दर्शाता है कि वह हमारे देश का सम्मान नहीं करते। इस मुद्दे पर अमेरिका में लोगों की राय बंटी हुई है। कुछ लोग जेलेंस्की का समर्थन कर रहे हैं, जबकि कुछ उनके पहनावे को अनुचित बता रहे हैं।

राजनीतिक विवाद गरमाया

अमेरिकी सांसद मार्जोरी टेलर ग्री , जो ग्लेन को डेट कर रही हैं, ने भी जेलेंस्की की आलोचना करते हुए लिखा-*ब्रायन ग्लेन ने बिल्कुल सही किया! जेलेंस्की ओवल ऑफिस में पैसे मांगने आते हैं, लेकिन एक सूट तक पहनने की जहमत नहीं उठाते। गौरतलब है कि जेलेंस्की युद्ध शुरू होने के बाद से ही सैन्य पोशाक में नजर आते हैं। उनकी जैकेट और टी-शर्ट पर यूक्रेनी त्रिशूल (ट्राइडेंट) का चिन्ह बना होता है, जो देशभक्ति और युद्धकालीन परिस्थितियों का प्रतीक है।

क्या यह सिर्फ एक ड्रेस कोड का सवाल था?

इस पूरे विवाद ने एक बड़ी बहस को जन्म दे दिया है क्या युद्ध में फंसे देश के नेता से औपचारिक पोशाक की उम्मीद करना सही है? क्या यह मुद्दा वास्तव में गरिमा से जुड़ा है या सिर्फ एक राजनीतिक हथकंडा?

यूक्रेन को रूस के साथ युद्धविराम का समझौता करना होगा...

जेलेंस्की से मुलाकात के बाद बोले ट्रंप

इंटरनेशनल डेस्क: यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने आज व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की, जहां दोनों नेताओं ने यूक्रेन में वर्षों से चल रहे युद्ध में संभावित संघर्ष विराम के लिए चल रही वार्ता के हिस्से के रूप में संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए खनिज सौदे पर चर्चा की।

यह बैठक तब हुई जब राष्ट्रपति ट्रंप ने यूक्रेनी राष्ट्रपति को तानाशाह कहा और रूस के साथ युद्ध शुरू करने के लिए उन्हें दोषी ठहराया, जिसके बाद तनाव बढ़ गया। हालांकि, उन्होंने बैठक से एक दिन पहले अपने शब्द वापस ले लिए और उनकी बहादुरी की सराहना की।

आज की बैठक का एजेंडा मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए खनिज सौदे पर केंद्रित है, जिसके बदले में वाशिंगटन की ओर से कीव को रूस के खिलाफ आवश्यक सुरक्षा प्रदान करने का आश्वासन दिया जाएगा। यह सौदा महत्वपूर्ण है क्योंकि यह यूक्रेन में युद्ध के लिए शांति समझौते की खोज पर भविष्य की वार्ता की नींव रखता है, जो अब तीन साल से अधिक समय से चल रहा है। इसके अलावा ट्रंप ने कहा कि यूक्रेन को रूस से युद्धविराम समझौता करना होगा।

यूरोप भर में सुरक्षा कवर प्रदान करने के लिए सभी नाटो सहयोगियों के बीच सबसे ज्यादा बोझ साझा करने वाला अमेरिका सभी हितधारकों से अपने हिस्से के बोझ को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने का आह्वान कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर सभी लोग योगदान नहीं देते हैं तो वे यूरोप को सुरक्षा प्रदान करने से पीछे हटने पर भी विचार करेंगे।

राष्ट्रपति ट्रंप को भी यूक्रेन में शामिल रहने से वाशिंगटन को कोई लाभ नहीं दिख रहा है क्योंकि यूरोप के पास यूक्रेन पर खर्च की गई राशि की गारंटी है, लेकिन अमेरिका के पास नहीं है। इन सबके बीच, यूरोपीय नेताओं ने राष्ट्रपति जेलेंस्की की इच्छा से सुझाव दिया कि यूक्रेन वाशिंगटन के साथ खनिज सौदा करे, ताकि अमेरिका के पास भी यूक्रेन में खर्च की गई राशि वापस पाने का एक तरीका हो। उनका यह भी मानना ??है कि इससे अमेरिका यूक्रेन में निवेश करता रहेगा, जिससे कीव की सुरक्षा अपने आप सुनिश्चित हो जाएगी।

पोप फ्रांसिस की तबीयत बिगड़ी वेंटिलेटर सपोर्ट सिस्टम पर रखे गए

इंटरनेशनल डेस्क: वेटिकन ने शुक्रवार को पुष्टि की कि 88 वर्षीय पोप फ्रांसिस की स्वास्थ्य स्थिति बेहद गंभीर है। पोप को दोनों फेफड़ों में निमोनिया हो गया है, जिससे उनकी हालत और बिगड़ गई है। वेटिकन के अनुसार, शुक्रवार को पोप को सांस लेने में अत्यधिक समस्या का सामना करना पड़ा, जिससे उनकी सेहत और खराब हो गई।

पोप फ्रांसिस को 14 फरवरी को रोम के जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां बाद में उनके दोनों फेफड़ों में निमोनिया का पता चला। चिकित्सकों ने बताया कि शुक्रवार दोपहर पोप की स्थिति में और गिरावट आई और उन्हें नॉन-इनवेसिव वेंटिलेशन सपोर्ट दिया गया। इस सपोर्ट का इस्तेमाल उन लोगों के लिए किया जाता है जिन्हें कुछ समय के लिए वेंटिलेटर की आवश्यकता होती है, लेकिन जिन्हें इंट्यूबेशन की जरूरत नहीं होती है।

वेटिकन ने कहा कि पोप होश में हैं और अपने आसपास के वातावरण से पूरी तरह अवगत हैं, हालांकि उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। उनका इलाज कर रहे डॉक्टर उनकी स्थिति पर लगातार निगरानी रख रहे हैं और हर संभव प्रयास किया जा रहा है ताकि उनकी सेहत में सुधार हो सके। पोप फ्रांसिस की हालत को लेकर अस्पताल और वेटिकन अधिकारियों ने अगले 24 से 48 घंटे को बहुत महत्वपूर्ण बताया है, क्योंकि इन घंटों में उनकी सेहत में किसी भी प्रकार का बदलाव हो सकता है।

वफा की मिसाल बनीं ये दोस्ती

मालिक को बचाने के लिए बाघ से खूब भिड़ा कुत्ता, पर अफसोस...

नेशनल डेस्क. मध्यप्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से सटे एक गांव में एक जांबाज कुत्ते ने अपने मालिक और उसके परिवार की जान बचाई। यह घटना उमरिया जिले के भरहुत गांव की है, जहां एक बाघ ने एक ग्रामीण पर हमला करने की कोशिश की। बाघ के साथ हुए इस संघर्ष में श्वान गंभीर रूप से घायल हो गया और दो दिन बाद उसकी मौत हो गई।

बाघ ने किया हमला, कुत्ते ने बचाई जान

दो दिन पहले बाघ रिजर्व की सीमा पार कर भरहुत गांव के पास आ गया था। गांव के निवासी शिवम बडगैया का सामना बाघ से हुआ। जैसे ही बाघ ने शिवम पर हमला करने की कोशिश की, उनका पालतू श्वान (जर्मन शेफर्ड) तुरंत उसकी मदद को आया और बाघ से डटकर लड़ाई की। कुत्ते ने पूरी ताकत से बाघ का मुकाबला किया और अपने मालिक की जान बचाई।

इस लड़ाई के दौरान बाघ ने कुत्ते की गर्दन को अपने जबड़े से दबाकर तोड़ दिया था। शिवम अपने कुत्ते को तुरंत पशु अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसे इलाज दिया गया। पशु विशेषज्ञ डॉ. अखिलेश सिंह ने बताया कि कुत्ते की गर्दन में गंभीर चोट आई थी। इलाज के बाद भी उसकी हालत खराब हो गई और अंतत: दो दिन बाद उसकी मौत हो गई। शिवम ने बताया कि वह कुत्ते उनके घर में पिछले 10 सालों से था। वह उसे हर शाम टहलाने ले जाते थे और कुत्ते हमेशा उनका साथ देता था। इस बहादुरी के बाद गांव के सभी लोग इस श्वान की वफादारी की सराहना कर रहे हैं और उसे श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

सुहागरात के पहले दूल्हे ने उठाया खौफनाक कदम, परिवार में मची चीख-पुकार

बिहार के वैशाली जिले में सुहागरात से पहले ही एक दूल्हे ने जहर खाकर अपनी जिन्दगी खत्म कर ली। इस घटना से परिजनों में कोहराम मच गया है। बताया जा रहा है कि युवक अपनी शादी से नाराज था। इसी कारण उसने यह खौफनाक कदम उठाया है।

युवक ने तिलक के बाद शादी से किया था इनकार

जानकारी के मुताबिक, मामला हाजीपुर सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत चकसुल्तानी बलवा कुंवारी गांव का है। मृतक की पहचान छपरा जिले के मांझी थाना क्षेत्र अंतर्गत महमदपुर मठिया निवासी अशोक भारती के बेटे रवि कुमार भारती (25) के रूप में हुई है। मृतक के परिजनों ने बताया कि 24 फरवरी को रवि कुमार भारती की शादी छपरा जिले के जलालपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत में हुई थी। वो इस शादी से खुश नहीं था, वह अपनी शादी से नाराज था। तिलक के बाद उसने शादी से इनकार भी किया था, लेकिन लड़की वालों ने थाना में लड़के के खिलाफ शिकायत की थी। इसके बाद पुलिस और समाज के दबाव में आकर लड़के ने शादी कर ली। शुक्रवार रात को रवि की सुहागरात थी।

परिजनों ने बताया कि हम अपने पैतृक घर महमदपुर मठिया में थे। मृतक युवक हाजीपुर में बैंक के काम से गया था। लेकिन वह घर नहीं लौटा।

जब हम हाजीपुर के चकसुल्तानी बलवा कुंवारी घर में आए तो दरवाजा अंदर से बंद था। दरवाजा तोड़कर कमरे के अंदर गए तो रवि का शव बेड पर पड़ा हुआ था। इसके बाद पुलिस को मामले की सूचना दी गई। इधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है। वहीं, घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

हिंदुओं के घरों के बाहर फेंके गए बछड़े के सिर-पैर, इलाके में फैली सनसनी

प्रयागराज. महाकुंभ के समापन के 48 घंटे के भीतर, प्रयागराज में गोवंश के अवशेष सड़क पर फेंके गए। यह घटना शहर के दरियाबाद पुलिस चौकी के पास घटी, जहां सड़क और नाली में बछड़े का सिर और पैर पड़े हुए मिले। आसपास के लोगों में इस घटना को लेकर आक्रोश फैल गया और उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू की और आरोपियों की पहचान के लिए सीसीटीवी कैमरे की फुटेज भी खंगाली।

गेट पर पड़ा था बछड़े का कटा हुआ सिर...

मामले में जानकारी देते हुए दरियाबाद निवासी गोपाल अग्रवाल ने 27 फरवरी को अपनी शिकायत में बताया कि जब वह अपने घर से बाहर निकले तो उनके गेट पर बछड़े का कटा हुआ सिर पड़ा था। इसके बाद उन्होंने देखा कि उनके पड़ोसियों के घरों के बाहर कटा हुआ पैर पड़ा था और अन्य क्षत-विक्षत हिस्से गली में फैले हुए थे।

5 महीनों में तीसरी बार घटी ऐसी घटना

वहीं मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने पशु चिकित्सकों को बुलवाकर जांच करवाई और अवशेषों को कब्जे में लिया। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं, लेकिन आरोपी अब तक पकड़े नहीं गए हैं। पुलिस से स्थानीय लोग इस मामले में शीघ्र कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। यह घटना पिछले 5 महीनों में इस तरह की तीसरी घटना है।

क्या कहती है पुलिस?

थाना प्रभारी संजय द्विवेदी ने बताया कि इस घटना में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस का मानना है कि माहौल बिगाड़ने के उद्देश्य से यह जानबूझकर किया गया है। स्नद्धक्र में यह आरोप भी लगाया गया कि गोवंश के अवशेष हिंदू घरों के पास रखे गए हैं। यह हरकत किसी मुस्लिम समुदाय के अराजक तत्वों द्वारा की गई हो सकती है, क्योंकि घटना उस इलाके में हुई है, जहां मुस्लिम बस्ती के पास हिंदू घर हैं। फिलहाल पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और जल्द ही आरोपियों को पकड़ने की उम्मीद है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569